■ आश्विन कृष्ण - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 70 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 02-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 केंद्र सरकार कुछ अरबपतियों के लिए काम कर रही : राहुल

6 बापू और गुदड़ी के लाल की जयंती : उड़ गए पंछी, सो गए हम

7 गर्भवती होने के बावजूद लगातार शूटिंग कर रही हैं देवोलीना

ईरान ने इज़रायल की ओर लगभग चार सौ मिसाइलें दागीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइली सेना ने कहा है कि ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को 400 के करीब मिसाइल दागी हैं और इसके साथ ही देशभर में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे।

ईरान के इस हमले के साथ ही इजराइल का करीब एक वर्ष पहले हिजबुल्ला और हमास के उग्रवादियों के साथ शुरू हुआ संघर्ष भीषण रूप से उग्र हो गया है और इसके पूरे पश्चिम एशिया

क्षेत्र में फैलने का खतरा मंडराने लगा है। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है और इजराइल ने निवासियों को बंकरों में जाने का आदेश दिया था।

इजरायल ने कहा है कि वह हिजबुल्लाह पर तब तक हमला करता रहेगा जब तक कि लेबनान सीमा के पास के घरों से विस्थापित नागरिकों के लिए वापस लौटना सुरक्षित नहीं हो जाता।

तेल अवीव में आतंकवादी हमले में आठ लोगों की मौत

तेल अवीव/एजेन्सी। इजरायल में तेल अवीव के उपनगर जाफ़ा में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए और सात घायल हो गए। द टाइम्स ऑफ़ इज़रायल अख़बार ने पुलिस का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। इससे पहले

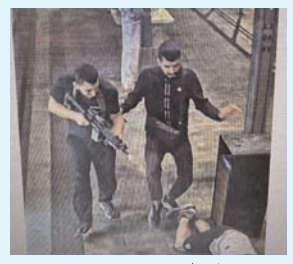

दिन में इज़रायली मीडिया ने बताया कि मध्य इज़रायल में दो अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में 10 लोग घायल हो गए। दो हमलावरों को कथित तौर पर मार गिराया गया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ईडी तापड़तौड़ी

ईडी ने छेड़ा नेह–राग,
हो गई शुरू माथाफोड़ी।
हो गई नीतियां पाक साफ,
कर रहे आज दौड़ादौड़ी।
कानून बन गया कठपुतली,
तथ्यों से अब मोड़ा–मोड़ी।
हर तरफ दिखे अफरातफरी,
मच गई खूब तापड़तौड़ी।।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा

चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों का उल्लंघन किया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि चीन ने सीमा समझौतों का उल्लंघन किया है और तनाव जारी रहने से बचे–खुचे रिश्ते पर भी स्वाभाविक ग्रहण लगेगा।

'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस थिंक टैंक' में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, चीन के साथ हमारे अपने संबंधों के संदर्भ में मुझे लगता है कि यह एक लंबी कहानी है, लेकिन संक्षेप में कहें तो सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए हमारे बीच समझौते हुए थे, चीन ने उन समझौतों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, चूंकि हमारी सेनाएं अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं, इसलिए तनाव पैदा हो रहा है। जब तक अग्रिम मोर्चे पर तैनातियों का समाधान नहीं हो जाता, तनाव जारी रहेगा। अगर तनाव जारी रहता है, तो इसका असर बाकी रिश्तों पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि पिछले चार सालों से हमारे रिश्ते अच्छे नहीं रहे हैं।

मंत्री से चीन के साथ तनाव और साथ ही भारत के साथ व्यापार संबंधों में चीन द्वारा हर देश को पीछे छोड़ने के बारे में पूछा गया। जयशंकर ने कहा, जब व्यापार की बात आती है, तो वैश्विक स्तर पर चीन की हिस्सेदारी वैश्विक विनिर्माण में लगभग 31–32 प्रतिशत है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार (जो मुख्य रूप से पश्चिमी नेतृत्व वाला है) ने आपसी लाभ के लिए चीन के साथ सहयोग करने का चयन किया है।

कांग्रेस की नस-नस में भ्रष्टाचार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलवल (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस की हरियाणा इकाई में कलह होने का दावा करते हुए कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी से सबसे अधिक नाराजगी राज्य के दलित, पिछड़े और वंचित समाज की है और वे 'बापू–बेटे' (हुड्डा परिवार) की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे। मोदी ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस की नस–नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है और यह 'दलालों व दामादों' की पार्टी बन गई है।

उन्होंने कहा, ''यहां हरियाणा में कांग्रेस के भीतर जो कलह मची है, उसे भी यहां के लोग देख रहे हैं। कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी तो दलित, पिछड़े, वंचित समाज की है। दलित समाज ने भी ठान लिया है कि वो बापू–बेटे की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे।''

संपत्तियों को ढहाने के मामले में पूरे देश के लिए दिशानिर्देश जारी करेगा न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह संपत्तियों को ढहाने के मामले में देशभर में लागू होने वाले दिशानिर्देश जारी करेगा और सड़क के बीच में स्थित किसी भी धार्मिक ढांचे, चाहे वह दरगाह हो या मंदिर, को हटाना होगा क्योंकि सार्वजनिक हित सर्वोपरि है। न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति का महज आरोपी या दोषी होना संपत्ति को ढहाने का आधार नहीं हो सकता। इसके साथ ही, न्यायालय ने उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिनमें आरोप लगाया गया है कि कई राज्यों में अपराध के आरोपियों की संपत्ति समेत अन्य संपत्तियां ध्वस्त की जा रही हैं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अनधिकृत निर्माण चाहे किसी भी धर्म के व्यक्ति द्वारा किया गया हो, उसे हटाना होगा। पीठ ने कहा कि एक अक्टूबर तक, उसकी अनुमति के बिना किसी संपत्ति को ध्वस्त नहीं किये जाने संबंधी उसके 17 सितंबर का आदेश उसके (शीर्ष अदालत) द्वारा मामले का फैसला किये जाने तक बरकरार रहेगा।

धर्मकला सब कला में श्रेष्ठ कलाः साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि आगम-शास्त्रों में पुरुषों की 72और स्त्रियों की चौंसठ कलायें बतलाई गई हैं। वहीं ज्ञानी पुरुषों ने चार प्रकार की कला को भी परिभाषित किया है। वह है नभतरणी, जल तरणी, पेट भरणी और चौथी भवतरणी अर्थात् संसार सागर से पार कराने वाली, पार लगाने वाली कला का ज्ञान। पहली तीन कलाएं तो मनुष्य के साथ तिर्यंच प्राणी भी उन कलाओं की समझ रखते हैं और तदनुकूल व्यवहार - आचरण भी करते हैं। लेकिन मनुष्य की विशेषता भवतरणी कला के माध्यम से पहचानी जाती हैं। ज्ञानी संत महात्मा के उपदेशों की सुनकर मनुष्य धर्म साधना के महत्व की जानता है और पूज्य गुरुभगवन्त भव्य जीवों की यहां से मनुष्य जाति के लोगों को असार संसार से पार लगाने का सद्मार्ग दिखाते हैं। यदि की वाणी सुनकर भी कर्म का अपने जीवन में, व्यवहार में आचरण नहीं करता तो फिर उसमें और पशु में कोई अन्तर नहीं हैं।

क्योंकि बतायी गई पहले की तीन कलाओं की तरह तो पशु भी, पक्षी भी अपना पेट भर कर जीवन निर्वाह कर लेते है, इसलिए ज्ञानी महापुरुषों ने कहा हैं, धर्मेण होना पशुभिः समाना, अर्थात धर्म से रहित मानव, पशु के समान हैं। अतः व्यक्ति समय का सदुपयोग धर्मसाधना में करते हुए इस भवसागर से पार होने का पुरुषार्थ करे। प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि संयमी मुनि और साधक आत्मा, व्रतधारी श्रावक भी संयम और उत्कृष्ट तप साधना के बल पर महा रिद्धि-सिद्धि सुख संपन्न अनेक दिव्य विशेषताओं से युक्त उच्च देवलोक की प्राप्त कर सकते हैं।

जहाँ शरीरादि भौतिक वस्तुओं, परिग्रह का त्याग एवं उनमें पूर्ण रूप से मोह ममत्त्व आसक्ति का त्याग, शरीर की कृश करना बाध्य संलेखना है। वही क्रोध, मान, माया, लोभादि कषायों का राग-द्वेष, मद-मत्सर भाव का त्याग करना आभ्यन्तर संलेखना क्योंकि ज्ञानियों ने बताया है कि रहित की गई साधना ही फलीभूत सिद्ध होती है। धर्मसभा का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

जीतो नार्थ जेबीएन वी-कनेक्ट के नए पदाधिकारी घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग ने अपने दो वर्षीय कार्यकाल समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में जेबीएन वी कनेक्ट रेफ़रल मीट का आयोजन जीतो कार्यालय में हुआ। बिन्दु रायसोनी ने कहा कि नारी उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है।वे न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाती है। भारतीय समाज में नारी उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मोर्चों पर बदलाव लाने की जरूरत है।

इस मौके पर अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, नए अध्यक्ष विमल कटारिया, नॉर्थ जेबीएन के संयोजक प्रमोद बाफ़ना व सह-संयोजक मदन जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने जीतो के प्राथमिक उद्देश्य अपने समुदाय को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में बताया। वी कनेक्ट अध्यक्ष सुमन रांका ने ऑडियो-वीडियो के माध्यम से छह माह के सफ़र में आयोजित कार्यक्रम की झलकियों को साझा किया। उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने रेफ़रल मीट के आँकड़े और व्यापार आँकड़ों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की। आगामी कार्यकाल की घोषणा करते हुए बिन्दु रायसोनी ने सीमा शाह को वी कनेक्ट अध्यक्ष, मीना जैन को उपाध्यक्ष एवं लीला पितलिया को महामंत्री के रूप नियुक्त किया एवं टीम ने कार्यभार सौंपा।

नि:शुल्क कृत्रिम पांव शिविर में 51 लोग हुए लाभान्वित

देव सेठी ने एक हजार कृत्रिम पैर देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केआर रोड स्थित कर्नाटक जैन भवन परिसर में दिगम्बर महिला समिति के प्रायोजन से एवं कर्नाटक मारवाडी यूथ फेडरेशन द्वारा कृत्रिम पांव शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुशीला जैन ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर समाज की वरिष्ठ महिला सुशीला गंगवाल, शोभादेवी झांझरी, तारामणि झांझरी, संतोष पहाडिया एवं सुलोचना देवी का सम्मान किया गया।

इस शिविर में अनिल सेठी, अशोक सेठी, वीणा सेठी, किरण काला सहित अनेक सदस्य व फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशांत सिंघी, कृत्रिम पांव शिविर के सहसंयोजक आदेश पिरगल, आलोक मेहता, वीरेन्द्र बाकलीवाल, प्रतीक बाकलीवाल एवं टीम उपस्थित थी। शिविर में 51 जरुरतमंदों को कृत्रिम पैर वितरित किए गए। इस शिविर से प्रभावित होकर प्रमुख उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सेठी के पौत्र देव दीपक सेठी ने एक हजार-कृत्रिम पांव जरूरतमंदों को देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन दीपिका जैन ने किया। धन्यवाद राजुल बज ने दिया।

जैन धर्म की किसी से तुलना नहीं हो सकती : राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में संतश्री राजेशमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर के समय में किसी भी तरह का संप्रदायवाद नहीं था। आज हालात इसकी विपरीत हो गए हैं। लोग छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव रखने लगे हैं। भगवान महावीर ने तरह-तरह के कष्टों को समभाव से सहन किया लेकिन आज लोगों में सहनशक्ति न के बराबर है। भगवान महावीर ने सृष्टि के सभी जीवों के कल्याण के लिए धर्म उपदेश दिया। यही कारण है कि जैन धर्म की किसी अन्य धर्म से तुलना नहीं हो सकती। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया, बेंगलूरु महासंघ के सचिव अभय बांठिया, शिवाजीनगर से उत्तमचंद मुथा, विल्सन गार्डन से महावीर मकाना, डबल रोड से नवरत्न भंडारी, महेश समदड़िया आदि उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष महावीरचन्द मुथा ने संचालन किया। अध्यक्ष धन रूपचंद मेहता ने स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत दर्शन

स्थानीय राजस्थान संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, रमेश भंडारी, रतनीबाई मेहता, बबीता श्रीश्रीमाल, मधु तातेड़ ने शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री पद्मसागरजी राजा महाराज व श्रमणपद्मसागरजी के दर्शन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सदस्यों ने संतों को राजस्थान संघ के मानवसेवी कार्यों की जानकारी दी ।

एचएमपी सिंघवी टीम बनी 'मोहनलाल खिवेंसरा' बाक्स क्रिकेट टूर्नामेन्ट विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठाप्रांत विजयनगर मंडल का अंतरराज्यीय बॉक्स क्रिक्रेट टूर्नामेंट 'मोहनलाल खिवेंसरा' कप सम्पन्न हुआ जिसमें बेंगलूरु की एचएमपी सिंघवी टीम विजेता हुई तथा चेन्नई की सीकेपीएल स्टार्स टीम उपविजेता रही। इस टूर्नामेन्ट में यश सुपर किंग्स मुम्बई, अर्हम हैदराबाद, हुब्बली टाइगर्स, बेंगलूरु एसके स्ट्राइकर्स, बेंगलूरु एमबी किंग्स एवं बेंगलूरु नेवी स्ट्राइकर्स टीम शामिल हुई।

इससे पूर्व स्थानीय मुकाबले में दस पुरुषों की टीमों ने भाग लिया जिसमें प्राचीन क्राफ्टर्स विजेता एवम सी जे नाइट राइडर्स उपविजेता रही। इस प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण रहा आठ महिलाओं की टीमों के बीच मुक़ाबला, जिसमें चम्पा वॉरियर्स विजेता एवम रूबी स्टारलेट्स उपविजेता रही। टाइटल प्रायोजक श्रीपाल, विमल, सुभाष, भरत, खिवेंसरा परिवार और भोजन प्रायोजक रहे राजेन्द्र, किशोर कोटरिया परिवार।

अन्य गणमान्य लोग प्रायोजक बने। रमेश गुंदेचा, उत्तम कोठारी एवं महेंद्र कटारिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मनसुख गांधी एवं अरविंद तपरावत ने कामेन्ट्री की। केपीवीएम की पूरी टीम के अथक प्रयासों से यह आयोजन सफल रहा।

तेयुप मंड्या में आयोजित की 'कल, आज और कल मंथन कार्यशाला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। यहां तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी श्री संयमलताजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा निर्देशित तेरापंथ युवक परिषद् मंड्या द्वारा मंथन कार्यशाला का आयोजन हुआ।

इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान टीम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जवानी अंधी चिड़िया के समान है, जो उड़ना तो जानती है पर दिशा बोध नहीं है। अनुभवी कहते हैं, समझदार व्यक्ति वह होता है जो अपने अनुभवों से सीखता है पर उससे भी समझदार वह होता है जो दूसरों के अनुभवों से सीखता है पूर्व में हुए अध्यक्षों के पास अनुभव की संपदा है वर्तमान अध्यक्ष आने वाले सभी उनके अनुभवों का लाभ उठाए तो युवा पीढी भी जिंदगी की कठिन राहों को सुगम बना सकती है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा, एक नेता का विशिष्ट गुण है जनप्रियता। प्रियता उसी को मिलती है जो खुद पीछे रहे, श्रेय दूसरों को दे। जो व्यक्ति समाज की निःस्वार्थ सेवा करता है उसे समाज का आशीर्वाद मिलता है, सम्मान मिलता है।

सभा अध्यक्ष सुरेश भंसाली, मंत्री विनोद एवं उपासिका ललिता जैन ने अपने विचार व्यक्त किए। मंड्या तेयुप के संस्थापक अध्यक्ष पारसमल गुंदेचा ने सेवा, संस्कार और संगठन में और मजबूती लाने, पूर्व अध्यक्ष किशन आच्छा ने नेतृत्व के विकास मे चुनौतियां एवं संगठन की वित्तीय योजना पर, पूर्व अध्यक्ष किरण भंसाली ने परिषद् के सुव्यवस्थित कार्यक्रमों हेतु वित्तीय योजनाओं पर, पूर्व अध्यक्ष मुकेश गोखरू ने तेयुप कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा। पूर्व अध्यक्ष राकेश भंसाली, जयंतीलाल दक एवं संदीप आच्छा ने संगठन को मजबूत बनाने पर बात रखी। वर्तमान अध्यक्ष कमलेश गोखरू ने कहा कि मंथन के आयोजन फलस्वरूप सभी पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री के सहयोग से आनेवाले समय में संस्था नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए कार्यों को संपादित करेगा। कार्यक्रम में अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार तेयुप मंत्री प्रदीप भंसाली ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के विश्वविद्यालय राज्यशास्त्र अध्यापक संघ द्वारा ज्ञान ज्योति सभागार में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला 'संविधान पर चर्चा' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए आयोजकगण।

पहले अच्छे मानव बनें, फिर हिन्दू या मुसलमानः साध्वीश्री उदितायशा

अणुव्रत सप्ताह में सांप्रदायिक सौहार्द दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का प्रथम दिवस सांप्रदायिक सौहार्द दिवस शेषाद्री रोड स्थित महारानी क्लस्टर यूनिवर्सिटी के प्रांगण में साध्वीश्री उदितायशा जी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। महारानी स्कूल ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट से उपस्थित करीब 200 विद्यार्थियों को प्रोफेसर डा रामचंद्रा ने तेरापंथ धर्म की जानकारी देते हुआ तेरापंथ धर्म की विशिष्टता से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रधानाचार्या कुशाला ने साध्वीश्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्य वक्ता उपासिका शांति सकलेचा ने कन्नड भाषा में बच्चों को अणुव्रत के बारे में पूर्ण जानकारी दी और कहा सांप्रदायिक सद्भाव रखने से सब अपना जीवन सफल बना पाएंगे। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा में कुछ प्रयोगों व प्रश्नोत्तरी द्वारा अणुव्रत के नियमों की जानकारी दी। सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त रहने का संकल्प दिलवाया । साध्वीश्री उदितायशाजी ने कहा, हम पहले इंसान बने, फिर हिंदू या मुसलमान। जाति या संप्रदाय में अच्छा सौहार्द रखे । विद्यार्थियों को एकाग्रता, ध्यान, आत्म विकास आदि विषयों ध्यान केन्द्रीत करें।

कार्यक्रम का पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने किया एवं सभी को धन्यवाद मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने दिया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, बबीता चोपड़ा, कोषाध्यक्ष महेंद्र दक, संगठन मंत्री निर्मल पोकरणा, प्रचार प्रसार मंत्री रमेश दक सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नार्थ चैप्टर के अध्यक्ष चुने जाने पर विमल कटारिया का तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर की टीम ने सम्मान किया। परिषद के अध्यक्ष महावीर गन्ना ने विमल कटारिया का परिचय देते हुए कहा कि कटारिया हमारे अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष व तेरापंथ की शान है। विमल कटारिया का जीतो नार्थ के अध्यक्ष बनना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। नेत्रदान के संयोजक दीपक सेठिया, सहसंयोजक मनोज बाबेल एवं समस्त तेयुप टीम ने कटारिया का सम्मान कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विमल कटारिया ने तेयुप यशवंतपुर द्वारा आयोजित नेत्रदान जागरुकता रैली को अनुकरणीय कार्य बताते हुए टीम को प्रोत्साहित किया।

तेरापंथ सभा विजयनगर के सदस्यों ने किए सूरत में विराजित आचार्यश्री के दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा विजयनगर के 150 सदस्यों का दल सूरत में विराजित गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर वापस लौटा। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी के चातुर्मास की जानकारी व आगामी चातुर्मास के दौरान साधु साध्वियों का सान्निध्य प्रदान कराने का निवेदन किया। संघ प्रायोजक सायर हीरालाल मालू ने भी विजयनगर की ओर से जानकारी प्रदान की। महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया ने कृतज्ञता ज्ञापित की। संघ सयोजक राजेश चावत ने धन्यवाद दिया।

यात्रा के कोर टीम सहसंयोजक महेंद्र टेबा, सुरेश हिंगड, अशोक बाबेल सहित उपाध्यक्ष भवारलाल मांडोत, बाबूलाल बोथरा, ललित सेठिया,मंत्री दिनेश हिंगड़, सहमंत्री ज्ञानू नाहटा व विमल दक, संगठन मंत्री मनोहरलाल बोहरा का विशेष सहयोग रहा।

श्रीराम परिवार का सत्रहवाँ दुर्गापूजा समारोह कल से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्री राम परिवार नवदुर्गा दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन 3 अक्टूबर से माइको लेआउट ग्राउण्ड, बेगूर रोड पर किया जा रहा है। संस्थापक संजय शुक्ला एवं सचिव अजयप्रकाश पाण्डेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 3 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे कलश यात्रा, घट स्थापना, सायंकाल मां शेरावाली की प्रतिमा का मुखार्पण, 5 अक्टूबर को सुबह अखण्ड रामायण पाठ, 6 अक्टूबर को पाठ पूर्णाहुति, 11 अक्टूबर को शाम को हवन एवं कन्यापूजन व माता का जागरण तथा 12 अक्टूबर को दोपहर में महाभोग तथा उसके पश्चात मूर्ति विसर्जन होगा। यह जानकारी सहसचिव राजीव शुक्ला ने दी।

लिंगराजपुरम बडेर में नवरात्रि महोत्सव व संगीतमय भागवत कथा कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट लिंगराजपुरम द्वारा शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में 3 अक्टूबर सर नौदिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा, पंच कुण्डीय अंबा यज्ञ एवं दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन लिंगराजपुरम स्थित संघ भवन में किया गया है। सेवा संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार ने बताया कि 3 अक्टूबर को कलश स्थापना होगी। पंडित श्री नेमीचंद शास्त्री द्वारा प्रतिदिन पंचकुण्डीय अंबा यज्ञ एवं दुर्गा सप्तशती पाठ किया जाएगा। दोपहर में 2 बजे से राम झरोखा आश्रम, जालौर से आए कथावाचक संतश्री मनोहरदास महाराज संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के विविश्र प्रसंगों का श्रवण कराएंगे। यह जानकारी संघ के सहसचिव जुगराज चोयल ने दी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

बेंगलूरु में मंगलवार को दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण विभाग तथा दिव्यांगजन एवं नागरिक अधिकारिता निदेशालय की ओर से रवींद्र कलाक्षेत्र बेंगलूरु में आयोजित 'विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस-2024' का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया।

सिद्दरामय्या ने उन पर धनशोधन का मामला दर्ज करने को लेकर ईडी पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने पर सवाल उठाया और कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में इसके प्रावधान लागू नहीं होते। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि यह किस आधार पर धन शोधन का मामला है। संभवतः आपको भी ऐसा ही लगता होगा। मेरे हिसाब से, यह धन शोधन का मामला नहीं बनता क्योंकि ली गई जमीन के बदले में भूखंड दिया गया था, तो यह धन शोधन का मामला कैसे है?''

सोमवार को ईडी ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर मामला दर्ज किया था। ईडी ने मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ पीएमएलए की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। मुख्यमंत्री ने एमयूडीए मामले में अपने इस्तीफे की संभावना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, मैं अंतरात्मा की आवाज के अनुसार काम करता हूं, इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। सिद्दरामय्या की पत्नी ने सोमवार को एमयूडीए को पत्र लिखकर 14 भूखंडों का स्वामित्व और कब्जा छोड़ने की पेशकश की और कहा कि उनके लिए कोई भी भूखंड, घर, संपत्ति और धन उनके पति के सम्मान, गरिमा, प्रतिष्ठा और मानसिक शांति से बढ़कर नहीं है। भाजपा के इस तर्क पर कि सिद्दरामय्या की पत्नी द्वारा भूखंड लौटाने की पेशकश मामले में गलत काम की स्वीकारोक्ति के समान है, मुख्यमंत्री ने कहा, जब कोई यह कहकर किसी चीज को छोड़ने का फैसला करता है कि वह विवाद नहीं चाहता, तो यह अपराध या कबूलनामा कैसे हो सकता है? विपक्षी पार्टी के नेता झूठ बोलने में 'विश्वगुरु' हैं। सिद्दरामय्या ने कहा, क्या मेरे इस्तीफा देने के बाद मामला बंद हो जाएगा? वे अनावश्यक रूप से मेरे इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। जब मैंने कोई गलत काम नहीं किया है तो मुझे इस्तीफा क्यों देना चाहिए?''

दक्षिण कन्नड़ स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा ने उम्मीदवार घोषित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को दक्षिण कन्नड़ स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से कर्नाटक विधान

परिषद के उपचुनाव के लिए किशोर कुमार पुत्तुर की उम्मीदवारी की घोषणा की। पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था और यहां 21 अक्टूबर को चुनाव होगा। कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

पुत्तुर को बधाई देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा, भाजपा ने हमेशा सामाजिक न्याय पर जोर दिया है। इस संदर्भ में, सबसे पिछड़े समुदाय से ताल्लुक रखने वाले किशोर कुमार पुत्तुर को उम्मीदवार के रूप में चुनकर पार्टी नेताओं ने सामाजिक न्याय और वंचित समुदायों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है...। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तीन अक्टूबर है और नामांकन पत्रों की जांच चार अक्टूबर को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि सात अक्टूबर है। मतों की गिनती 24 अक्टूबर को होगी।

अभिनेता रजनीकांत की हालत स्थिर, जल्द मिलेगी छुट्टी : अस्पताल

चेन्नई/दक्षिण भारत। जाने माने फिल्म अभिनेता रजनीकांत की हालत स्थिर है और वह पहले से

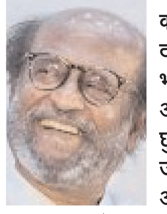

बेहतर महसूस कर रहे हैं तथा दो दिन के भीतर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। अपोलो अस्पताल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रजनीकांत को 30 सितंबर को यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अपोलो अस्पताल ने यहां एक बयान में कहा कि उनके हृदय से निकलने वाली मुख्य रक्त वाहिका (महाधमनी) में सूजन थी, जिसका उपचार गैर-शल्य चिकित्सा, 'ट्रांसकैथेटर' विधि से किया गया।

चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल के चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. आर. के. वेंकटसलम ने एक बुलेटिन में कहा, वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. साईं सतीश ने महाधमनी में एक स्टेंट लगाया, जिससे सूजन पूरी तरह से बंद हो गई। डॉ. वेंकटसलम ने कहा, हम उनके शुभचिंतकों और प्रशंसकों को यह बताना चाहते हैं कि प्रक्रिया योजना के अनुसार ही हुई। श्री रजनीकांत की हालत स्थिर है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। दो दिन में वह घर पहुंच जाएंगे।

आईटीआई लि. के कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा और कार्यशाला का आयोजन हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आईटीआई लिमिटेड की सभी यूनिटों और एमएसपी कार्यालयों में 14 सितंबर से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी हुआ। इसमें डॉ. राम विचार यादव ने 'राजभाषा नीति का कार्यान्वयन और अधिकारियों के दायित्व' के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया। आईटीआई लि. के पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय में उत्पादन एवं मानव संसाधन निदेशक एस जयंती की अध्यक्षता में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अतिथियों ने विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। मुख्य अतिथि पूर्व उप महाप्रबंधक एवं प्रमुख-राजभाषा, एचपीसीएल डॉ. राम विचार यादव और कवयित्री डॉ. इंदु झुनझुनवाला जैन थे। समारोह के विशिष्ट अतिथि एनएसयू के कार्यकारी निदेशक प्रकाश चंद्र जैन थे। इस अवसर पर बेंगलूरु प्लांट के इकाई प्रमुख आर वसंती, मानव संसाधन एवं राजभाषा प्रमुख साजन अब्राहम तथा बेंगलूरु प्लांट के अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन एवं राजभाषा शेखर मंडल मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन निगमित कार्यालय के राजभाषा सहायक प्रबंधक श्यामला एम तथा एनएसयू इकाई के उप प्रबंधक, सामग्री प्रबंधन एवं राजभाषा अशोक कुमार ने किया।

भाजपा ने खरगे के परिवार से जुड़े ट्रस्ट को जमीन आवंटन मामले में कांग्रेस अध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा

बेंगलूरु/नई दिल्ली/ दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार द्वारा संचालित एक ट्रस्ट को कर्नाटक में जमीन आवंटन किए जाने के मुद्दे पर उनसे स्पष्टीकरण की मांग की और सवाल किया कि कांग्रेस के नेताओं को जमीन से इतना प्यार क्यों है? पार्टी ने यह भी कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी एम द्वारा 14 भूखंडों का स्वामित्व और कब्जा छोड़े जाने का फैसला मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले में कई सवाल खड़े करता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सिद्दरामय्या के खिलाफ जमीन घोटाले की आंच अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को बेंगलूरु के हाई-टेक रक्षा क्षेत्र में पांच एकड़ जमीन देने का मामला सामने आ गया है जिसके बारे में कहा जाता है कि वह खरगे के परिवार से संबंधित है। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या से जुड़ा मामला लोकायुक्त के पास है, अदालत में लंबित है। इस मामले में अदालत अपना काम करेगी लेकिन खरगेजी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और वह राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। अगर जमीन आवंटन से जुड़ी इतनी संदेहास्पद परिस्थितियां हैं तो उन्हें इसका उत्तर देना पड़ेगा।

प्रसाद ने कहा कि भाजपा अपेक्षा करती है कि खरगे इन आरोपों का ईमानदारी, प्रामाणिकता और पारदर्शी तरीके से दें। कथित जमीने घोटाले का ब्योरा देते हुए भाजपा नेता ने यह सवाल भी उठाया कि कांग्रेस के नेताओं को जमीन सौदों से इतना प्यार क्यों है। उन्होंने कहा, क्या उसके (कांग्रेस) कुछ नेता 'प्रॉपर्टी डीलर' बन गए है? यह बहुत गंभीर सवाल है। और देश जानना चाहता है।

उन्होंने कहा कि बतौर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को एक मानदंड स्थापित करना चाहिए था। प्रसाद ने कहा कि भाजपा प्रमाणिक तरीके से किसी ट्रस्ट को जमीन दिए जाने का विरोध नहीं करती है लेकिन जिस तरीके से कांग्रेस के नेता ट्रस्ट के नाम पर 'जमीन हड़पने के अभियान' में लगे हुए हैं, यह बहुत गलत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह गंभीर विषय है और भाजपा इसकी भर्त्सना करती है।

एमयूडीए भूखंड आवंटन मामला

लोकायुक्त पुलिस ने भूमि का सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और अन्य के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले की जांच कर रही लोकायुक्त पुलिस की एक टीम ने मंगलवार को उस भूमि का सर्वेक्षण किया, जिसके बदले में ''14 भूखंड अवैध रूप'' से सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी.एम. को आवंटित किए गए थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भूमि सर्वेक्षण के दौरान विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी, सर्वेक्षक और एमयूडीए के नगर नियोजन सदस्य भी लोकायुक्त टीम के साथ थे। सूत्रों ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा भी मौजूद थे, जिनकी शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जांच अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस के बाद कृष्णा आज यहां लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए।

इस बीच, पार्वती द्वारा 14 भूखंडों के स्वामित्व और कब्जा छोड़ने के निर्णय से संबंधित पत्र आज उनके पुत्र एवं विधान परिषद सदस्य यतीन्द्र सिद्दरामय्या द्वारा व्यक्तिगत रूप से एमयूडीए आयुक्त ए.एन. रघुनंदन के कार्यालय को सौंपा गया। एमयूडीए के एक अधिकारी ने कहा, ''प्राप्त पत्र पर कानूनी प्रावधानों के आधार पर आगे कोई कदम उठाया जाएगा।'' पार्वती ने सोमवार को एमयूडीए को पत्र लिखकर अपनी 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें आवंटित 14 भूखंडों को वापस करने की इच्छा जताई और कहा कि उनके लिए कोई भी भूखंड, घर, संपत्ति और धन उनके पति के सम्मान, गरिमा, प्रतिष्ठा और मानसिक शांति से बढ़कर नहीं है।

इससे कुछ घंटे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर संज्ञान लेते हुए एमयूडीए की ओर से उनकी पत्नी को 14 स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो पुलिस की प्राथमिकी के समान होती है। एमयूडीए ने मुख्यमंत्री की पत्नी की संपत्ति का अधिग्रहण' किया था और इसके कथित मुआवजे के तौर पर मैसूरु के पॉश इलाके में भूखंड आवंटित किए थे। आरोप है कि सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर जो भूखंड आवंटित किये गये थे, उनकी कीमत एमयूडीए द्वारा अधिग्रहीत की गयी जमीन की तुलना में काफी अधिक थी।

एमयूडीए ने पार्वती की 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें 50:50 के अनुपात से भूखंड आवंटित किये थे, जहां उसने आवासीय लेआउट विकसित किये थे। इस विवादास्पद योजना के तहत एमयूडीए ने उन लोगों को 50 प्रतिशत विकसित जमीन आवंटित की थी, जिनकी अविकसित जमीन आवासीय लेआउट विकसित करने के लिए ली गयी थी। आरोप है कि मैसूरु तालुक के कसाबा होबली के कसारे गांव के सर्वे नंबर 464 में स्थित 3.16 एकड़ जमीन पर पार्वती का कोई कानूनी हक नहीं था।

भूमि वापसी का राजनीतिक नाटक : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई कोर्ट के फैसले और पीपुल्स कोर्ट के आदेश के बाद ई.डी. एक मामला दर्ज किया गया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने विश्लेषण किया कि राज्यपाल द्वारा दिल्ली की कठपुतली कहे जाने वाले सिद्दरामय्या कानून के शिकंजे से बचने के इरादे से जमीन वापस कर रहे हैं।

मंगलवार को शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने शिकायत की कि वे राजनीतिक सहानुभूति हासिल करने और सत्ता के लिए लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवारों को खुश करने के लिए साइट को वापस करने का यह राजनीतिक नाटक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात नहीं है कि मुख्यमंत्री किसी भी वक्त इस्तीफा दे सकते हैं या आने वाले कुछ घंटों के भीतर भी। उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या ने आधिकारिक तौर पर अपनी गलती स्वीकार कर ली है। वर्ष 2011 में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा पर आरोप लगा था। विजेन्द्र ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि अगर उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है तो उन्होंने साइट क्यों सरेंडर कर दी। अब कलंक और आरोप के पद पर बैठे सिद्दरामय्या को अपना पाखंड छोड़कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले उन्हें राज्यपाल से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री और उनके प्रशंसक एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक गरीब परिवार की सदस्य स्नेहामाई कृष्णा को धमकी देने की रणनीति का उपयोग कर रहे हैं। विजयेन्द्र ने गृह मंत्री और डीजीपी ने स्नेहामाई कृष्णा को तत्काल पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के करीबी महादेवप्पा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कुछ सदस्य मुख्यमंत्री के पद छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'सिद्दरामय्या आज यहां हैं, वह कल जाएंगे' यह प्रस्थान का पूर्वाभास है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुपचुप तरीके से परमेश्वर से मुलाकात की और आधे घंटे तक चर्चा की। शिवकुमार, परमेश्वर, फिर भी सिद्दरामय्या की रक्षा नहीं कर सकते; यह पार्टी के लिए मुश्किल और शर्मनाक होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या को जल्द से जल्द ही इस्तीफा दे देना चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंदा करजोला, राज्य के प्रधान सचिव पी. राजीव, राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वत्थनारायण गौड़ा, विधायक-बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति, एसटी मोर्चा के राज्य अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु, राज्य प्रवक्ता प्रकाश शेषराघवचर आदि उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या के खिलाफ ईडी का मामला कर्नाटक की जनता पर आक्रमण, सरकार को अस्थिर करने का प्रयास : कांग्रेस

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करना राज्य की जनता पर आक्रमण, प्रतिशोध की राजनीति तथा सरकार को अस्थिर करने का प्रयास है, लेकिन वह एवं उसके मुख्यमंत्री झुकने वाले नहीं हैं। ईडी ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर सोमवार को मामला दर्ज किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, यह कर्नाटक की जनता पर आक्रमण है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को बहुमत नहीं दिया। जब इनको पर्याप्त 'एमएलए' (विधायक) नहीं मिले तो पीएमएलए लेकर आए। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार आने के पहले दिन से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोशिश कर रही है कि कर्नाटक की सरकार को अस्थिर किया जाए तथा यह भी इसी कड़ी में उठाया गया एक कदम है। रमेश ने दावा किया, पिछले दो दिन से हम कर्नाटक में प्रतिशोध, उत्पीड़न और डराने-धमकाने की राजनीति देख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अभी तक कर्नाटक में भाजपा की करारी हार बर्दाश्त नहीं कर पाए हैं। प्रतिशोध की राजनीति की जा रही है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा, ईडी के कुल राजनीतिक केस में 95 प्रतिशत केस सिर्फ विपक्ष के खिलाफ हैं। महाराष्ट्र की बात करें तो जिन लोगों ने दल-बदल किया और सरकार को तोड़ा, उन सबके केस ठंडे बस्ते में हैं। भाजपा की 'वाशिंग मशीन' वाली ये सूची अखिल भारतीय स्तर पर बढ़ती ही जा रही है। उनका कहना था, ''इसी सूची के साथ एक और सूची बढ़ती जा रही है, जिसमें जनादेश के साथ मुख्यमंत्री बने लोगों के खिलाफ काम किया जा रहा है।

एचएएल ने वायु सेना को सुखोई 30एमकेआई का पहला एएल-31एफपी एयरो इंजन सौंपा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने 240 इंजन के अनुबंध के तहत निर्मित पहला एएल-31एफपी एयरो इंजन ओडिशा के कोरापुट में भारतीय वायु सेना को सौंप दिया है। एचएएल ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि सुखोई-30एमकेआई विमान के लिए 240 एएल-31एफपी एयरो इंजन के अनुबंध पर नौ सितंबर को हस्ताक्षर किए गए थे और इन इंजन की आपूर्ति आठ साल में की जाएगी। बयान के अनुसार सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार ने अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के कुछ सप्ताह के भीतर पहले इंजन की आपूर्ति करने में एचएएल के प्रयासों की सराहना की।

एचएएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (मुख्यमंत्रीडी) डीके सुनील ने कहा, ''इस सम्पूर्ण इंजन विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान, हमारा लक्ष्य भारतीय उद्योगों की कार्य हिस्सेदारी वर्तमान 40 प्रतिशत से अगले दो-तीन वर्ष में बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करना तथा रोजगार सृजन में सहायता करना है।''

आईआरआईडीएम बेंगलूरु ने मॉक ड्रिल का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान (आईआरआईडीएम), बेंगलूरु ने मंगलवार को आईआरआईडीएम परिसर में बनाई गई कृत्रिम सुरंग में यात्री ट्रेन दुर्घटना का अनुकरण करते हुए एक पूर्ण पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। लगभग 100 रेलवे कर्मियों ने प्रशिक्षुओं के साथ मिलकर बचाव अभियान में भाग लिया। 'गोल्डन ऑवर' (नकली दुर्घटना के बाद का पहला घंटा) के दौरान, प्रशिक्षुओं ने 145 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचाया, जिनमें से प्रत्येक ने विभिन्न नकली चोटों का प्रदर्शन किया।

यह ड्रिल विभिन्न रेलवे क्षेत्रों और प्रशिक्षण केंद्रों से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों को उत्कृष्ट बचाव दल में ढालने के लिए तीन सप्ताह के गहन रेलवे-विशिष्ट प्रशिक्षण का हिस्सा था। 16 सितम्बर को शुरू हुए इस प्रशिक्षण में एनडीआरएफ के उच्च कुशल कर्मियों को भी शामिल किया गया था, ताकि आरपीएफ कर्मियों को क्षेत्र में आवश्यक तालमेलपूर्ण कार्य करने का अनुभव कराया जा सके। यह अभ्यास

ट्रेन दुर्घटना की स्थिति में सिस्टम की तैयारी को बढ़ाएगा और संकट के समय विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय को बढ़ावा देगा। रेलवे और एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल के दौरान अपने कौशल और तकनीकों का प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल के दौरान बेंगलूरु के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंध परीक्षित मोहनपुरिया, वीवीएस श्रीनिवास, निदेशक, आईआरआईडीएम; और श्री संदीप रविवंशी, मुख्य सुरक्षा आयुक्त (सीएससी), रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर पश्चिम रेलवे, उपस्थित थे।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
(NABH & NABL Accredited)
(A Unit of Central Council for Research in Unani Medicine)
Ministry of Ayush, Govt of India)
No. 1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 13

Advertisement No. 2/2024
Walk-in-Interview

Eligible candidates are invited for Walk-in-Interview for the following contractual post on the date and time indicated below at Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai

Sl. No	Name of the Post	No. of Posts	Date & Time of Interview
1.	ASSISTANT CONSULTANT (Admin)	1 Nos.	14-10-2024 at 09.00 a.m

Complete details about the eligibility conditions, place of posting, remuneration etc. of above mentioned contractual post may be downloaded from the Council's website **www.ccrum.res.in** / RRIUM Website **www.rriumchennai.org**

DEPUTY DIRECTOR

राजस्थान में अगले साल से पेश होगा ग्रीन बजट : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में वानिकी सैटेलाईट प्रशिक्षण संस्थान, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में 119वें वनरक्षक आधारभूत प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन समारोह अरण्य भवन में मंगलवार को आयोजित किया गया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि महिला शक्ति हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं। इस वनरक्षक आधारभूत प्रशिक्षण में 1450 वन रक्षकों में से 710 महिला वन रक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। यह गर्व की बात है। दीया कुमारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के के लिए राजस्थान में अगले साल ग्रीन बजट पेश किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस बार मन की बात कार्यक्रम में राजस्थान में प्रभावी रूप से चलाये गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उल्लेख किया और 5 करोड़ 85 लाख पौधे लगाने की रिकॉर्ड उपलब्धि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं सवाईमाधोपुर से विधायक रही हूँ, मैं जानती हूँ कि वन तथा वन्य जीवों की रक्षा एक महत्पूर्ण चुनौती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली वनरक्षकों को वन और वन्य जीवों की रक्षा के महत्वपूर्ण कार्य के लिए जिम्मेदारी पूर्वक काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यटन के साथ इकोपर्यटन भी महत्वपूर्ण है। राजस्थान सरकार इकोपर्यटन, वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने तीन माह का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे वन रक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वनों की कटाई रोकना, वन्य जीवों के शिकार को रोकना एवं सुरक्षा देना, वनों का विस्तार करना, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करना, जंगल को आग से बचाना, वनों पर अतिक्रमण को रोकना, जंगल में काम करते हुए जंगली जानवरों, शिकारियों, असामाजिक तत्वों से सावधान रहना और वनों को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण करवाना जैसी जिम्मेदारियों को मुस्तैदी से पूरा किया जाए। इसमें निर्णय क्षमता का बहुत महत्वपूर्ण रोल है। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियां है जो आपके सामने आएंगी, उनका आपको दृढ़ता से मुकाबला करते हुए अपने कर्तव्यों का निवर्हन करना है।प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वनबल प्रमुख) अरिजीत बनर्जी ने कहा कि वनरक्षक ग्रामीण एवं आम जनता से जुड़कर एवं वनों, पौधों और वन्य जीवों की रक्षा करने का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन प्राथमिक तौर पर वनरक्षकों के कंधों पर ही है। उन्होंने कहा कि वनरक्षक जनमानस एवं विभाग के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने वनरक्षकों का प्रशिक्षण कराने के लिए पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र उपलब्ध कराने पर पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया। एडीजी पुलिस प्रशिक्षण अशोक राठौड़ ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण देने हेतु उत्कृष्ट इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इंस्ट्रेक्टर हैं। जिससे वनरक्षकों का सर्वांगीण विकास एवं पूर्ण अनुशासन के साथ दायित्व निर्वाह का प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

एडीजी पुलिस एवं निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी एस. सेंगथिर ने कहा कि वनरक्षकों को प्रशिक्षण में आवश्यक सेल्फ डिफेंस, अनआर्म्ड कॉम्बैट एवं हथियारों की जानकारी दी जाएगी। जिससे उनको वन्यजीवों का रेस्क्यू करते समय उनका रेस्क्यू करने एवं मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं से निपटने में किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

आरएफडब्ल्यूटीआई निदेशक श्रीमती शैलजा देवल ने मुख्य अतिथियों एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण सत्र में 1450 वनरक्षकों को 30 बैच में विभाजित कर 11 सैटेलाइट प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो बीकानेर, जोधपुर, अलवर, अजमेर एवं जयपुर में पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित किया जा रहे हैं।

नरभक्षी बघेरे को मारने के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में नरभक्षी बघेरे द्वारा लगातार लोगों पर हमला कर जन हानि पहुंचाने एवं उसके पकड़ में नहीं आने के कारण उसे मारने की अनुमति दी गई हैं। उदयपुर जिले में उप वन संरक्षक उदयपुर (उत्तर) क्षेत्र के अधीन छाली, बगदुन्डा, मजावद, मदार एवं सुआवतो का गुडा गांव में नरभखी बघेरे के हमले में अब तक गत 18 सितंबर से आज तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पवन कुमार उपाध्याय ने मंगलवार को इस नरभक्षी बघेरे को सशर्त मारने की अनुमति का आदेश दिया। आदेश के अनुसार वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 1 एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद द्वारा नरभक्षी बघेरे को मारने की अनुमति जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस से सहयोग प्राप्त करते हुए उप वन संरक्षक उदयपुर उत्तर को शर्तों के अधीन प्रदान की गई हैं। जिसमें सबसे पहले इस बघेरे को ट्रेंक्यूलाईज एवं ट्रेप करने का प्रयास किया जाना है। बघेरे को मारने से पहले उसकी सही पहचान सुनिश्चित करनी हैं। इसके अलावा इस संबंध में प्रतिदिन रिपोर्ट कमेटी एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक राजस्थान को प्रेषित करनी हैं।

बघेरे ने गत 18 से 20 सितंबर तक तीन दिन लगातार हमला कर तीन लोगों की जान लेने के बाद 25, 28 एवं 30 सितंबर तथा एक अक्टूबर को और हमला कर दिया जिससे चार लोगों की मौत हो गई। बघेरे के लगातार हमला कर जन हानि पहुंचाने के बाद संभागीय मुख्य वन संरक्षक उदयपुर द्वारा गत 29 सितंबर को एक कमेटी का गठन किया गया।

बघेरे को पकड़ने के लिए उदयपुर (उत्तर) अधीन समस्त क्षेत्रीय वन अधिकारी मय स्टॉफ, क्षेत्रीय वन अधिकारी वन्य जीव जयसमंद, कुंभलगढ़, बोखाड़ा एवं ट्रैक्यूलाईजिंग टीम वन्यजीव उदयपुर ,जोधपुर, राजसमंद को लगाया गया। वन विभाग एवं जिला पुलिस के अथक प्रयासों के बावजूद इस बघेरे को प्रकड़ना एवं ट्रैंक्यूलाईज करना संभव नहीं हो पाया और बघेरे द्वारा लगातार मानव शिकार की घटनाएं कारित की जा रही है। इसके बाद इस बघेरे को मारने की स्वीकृति चाही गई।

बघरे को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर पिंजरे लगाये गये जिनमें चार अन्य बघेरे ट्रेप हुए। कमेटी द्वारा विचार विमर्श कर इस बघेरे द्वार लगातार की जा रही जनहानि को ध्यान में रखते हुए बघेरे को मारा जाना उपयुक्त बताया गया। सोमवार को उदयपुर में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव जयपुर, जिला कलक्टर उदयपुर, पुलिस अधीक्षक उदयपुर, मुख्य वन संरक्षक उदयपुर, उप वन संरक्षक उदयपुर (उत्तर) , उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, उदयपुर वन्यजीव के साथ इस घटनाक्रम के बारे में विचार विमर्श कर समस्त पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह सहमति बनी कि ग्राम पंचायत छाली, बगरुन्दा, मदार, मजावत में यह बघेरा मानव शिकार का अभयस्त हो चुका है जिसे पकड़ना, ट्रैंक्यूलाईज करना एवं अन्यत्र छोड़ना संभव नहीं है। इस कारण कमेटी द्वारा प्रेषित अभिशंषा अनुसार लोगों की जान की सुरक्षा के मद्देनजर इस बघेरे को मारा जाना उचित होगा। इसके बाद सशर्त इसे मारने के आदेश जारी कर दिए गए।

संदिग्ध तेंदुए ने एक और महिला को शिकार बनाया

उदयपुर। उदयपुर जिले में एक संदिग्ध तेंदुए के हमले में मंगलवार सुबह एक और महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हाल के दिनों में उदयपुर में तेंदुए के हमलों में सात लोग मारे जा चुके हैं। तेंदुए के बढ़ते घातक हमलों से चिंतित वन विभाग ने तेंदुए को गोली मारने का आदेश दिया है। अधिकारियों के अनुसार ताजा घटना गोगुंदा थाना इलाके केलवो का खेड़ा गांव में हुई जब कमला कंवर (55) अपने मवेशियों को चारा डाल रही थी तभी जंगली जानवर ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि महिला की चीख पुकार सुनकर परिवार के अन्य लोग जब वहां पहुंचे तो जानवर महिला को छोड़कर वहां से भाग गया, हालांकि गर्दन पर गहरी चोट होने के कारण महिला ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार महिला पर तेंदुए ने हमला किया। वन विभाग के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि की लेकिन कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो जाएगा कि हमला तेंदुए ने किया था या नहीं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) पवन कुमार उपाध्याय ने कहा कि नरभक्षी तेंदुए को मारने के आदेश दे दिए गए हैं।

बीकानेर में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहरीला पदार्थ निगला, तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर में मंगलवार को एक ही परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ निगल लिया जिससे एक दंपति और उनके बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार यह घटना जय नारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र की है। उसने बताया कि एक बच्चे का अस्पताल में इलाज जारी है। बीकानेर (सदर) के सर्किल अधिकारी विशाल जांगिड़ ने बताया कि राहुल मारू, उनकी पत्नी रुचि मारू और बेटे केशू की जहरीला पदार्थ निगलने के कारण मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्या मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने साक्ष्य और अन्य नमूने एकत्र किए हैं। सर्किल अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल में रखवाया गया है। थानाधिकारी सुरेन्द्र पचार ने बताया कि परिवार ने जहरीले पदार्थ का सेवन सोमवार रात को किया था और इसकी जानकारी मंगलवार दोपहर में मिली।

बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे : रांका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। रिटायरमेंट लाइफ के बाद बुजुर्ग सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम रहें यह भी जरूरी होता है। उनके साथ भावनात्मक संबंध बने रहे और उम्र बढ़ने के साथ होने वाले रोगों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए ताकि बीमारियों से जितना हो सके बचा जा सके। रांका अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित राज्यस्तरीय वृद्धजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 60 वर्ष से अधिक 11 प्रतिशत व्यक्ति है और बेहतर चिकित्सा सेवाओं से यह प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा की बुजुर्गों के जीवन को सुगम्य बनाने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं और हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक करने जी जरूरत है। उन्होंने कहा कि भौतिकतावाद के साथ हमारे सामाजिकसांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन हुआ है, जिसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। रांका ने कहा कि वृद्धजनों के प्रति बच्चों व युवाओं को संवेदनशील बनाने, वयोवृद्धों की विशेष देखभाल करने और ध्यान रखने की भारतीय परंपराओं को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने सम्मानित होने वाले सभी वृद्ध जनों को बधाई देते हुए कहा कि युवाओं को बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि इनके अनुभव युवाओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में वृद्ध कल्याण, सांस्कृतिक, कला, सामाजिक, साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने वाले 39 वृद्धजनों एवं वृद्ध कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने वाले 8 स्वयं सेवी संगठनों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह में वृद्धजनों को आवश्यक सहायक उपकरण भी वितरित किए गए और उपस्थित सभी लोगों को बुजुर्गों के सम्मान के लिए प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। कार्यक्रम में केसरलाल मीना, अतिरिक्त निदेशक सतर्कता एवं प्रशासन, दिलबाग सिंह अतिरिक्त निदेशक सामाजिक सुरक्षा, विभागीय अधिकारीगण सहित वृद्धजन उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा जन जागरुकता के लिए 'ऑपरेशन गरिमा' शुरू

जयपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए राजस्थान पुलिस का जन जागरुकता अभियान 'ऑपरेशन गरिमा' सोमवार को शुरू हुआ। यहां पुलिस आयुक्तालय में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप, रामेश्वर सिंह तथा योगेश दाधीच ने 'ऑपरेशन गरिमा' वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वाहन रैली में महिला सुरक्षा से जुड़े नारे लिखे बैनर लिये निर्भया टीम मोटरसाइकिलों पर सवार होकर पुलिस कमिश्नरेट, गवर्नमेंट हॉस्टल से अजमेर पुलिया, सोडाला, पुरानी चुंगी, विजय द्वार वैशाली सर्किल, खातीपुरा तिराहा, झोटवाड़ा पुलिया, चौमू पुलिया, पानीपेच, कलेक्ट्रेट सर्किल, खासाकोठी, गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा, एम.आई. रोड, पांच बत्ती, अजमेरी गेट, छोटी चौपड़, संजय सर्किल से रिजर्व पुलिस लाइन चांदपोल तक गई।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 'ऑपरेशन गरिमा' जन जागरुकता अभियान एक से 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा। जयपुर आयुक्तालय में पुलिस नियंत्रण कक्ष में महिला गरिमा हेल्पलाइन संचालित की जा रही है जिस पर प्राप्त शिकायतों को कार्रवाई के लिए थानों को भेज कर उसका निस्तारण किया जाएगा।

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों के कांग्रेस से करीबी संबंध : किरोड़ी मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को आरोप लगाया कि वक्फ संशोधन विधेयक-2024 का विरोध करने वालों के कांग्रेस नेताओं से करीबी संबंध हैं। मीणा ने दावा किया कि विधेयक का विरोध करने वाले कांग्रेस के इशारे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें भड़का रहे हैं। प्रदेश के कृषि मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का विरोध करने वालों के कांग्रेस नेताओं से करीबी संबंध हैं। कुछ नेता लोगों को गुमराह कर रहे हैं और भड़का रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, इस लोकप्रिय विधेयक का मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिसकी अगुवाई ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव फजल-उर-रहीम कर रहे हैं और सबसे बड़े पैरोकार बनकर देश में मुसलमानों को भड़का रहे हैं तथा उन्हें हिंसा पर उतारू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है तथा इनके द्वारा आम मुसलमानों को भड़काया जा रहा, जिससे देश में अशांति एवं अस्थिरता फैल जाये। मंत्री ने आरोप लगाया कि रहीम ने वक्फ बोर्ड और अपने ट्रस्टों की संपत्तियों को अपनी निजी संपत्ति मानकर राजस्थान समेत देश में बड़ी मात्रा में जमीन बेची है।

मीणा ने आरोप लगाते हुए कहा, खुद फजल-उर-रहीम ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वक्फ, ट्रस्ट एवं मंदिरों की जमीन को अपनी निजी जागीर मानकर बेच दिया है। इनके निजी ट्रस्टों में देश-विदेश से विशेषकर खाड़ी देशों से अवैध धन प्राप्त कर देश विरोधी गतिविधि में लगाया जा रहा है। मीणा ने कहा, रहीम कांग्रेस के इशारे पर देश में माहौल बिगाड़ने पर उतारू हैं। इनकी बेटी सुल्ताना जयपुर महिला कांग्रेस की महासचिव व इनका दामाद मोहम्मद शोएब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सदस्य है, इससे स्पष्ट है कि इनके कांग्रेस से गहरे रिश्ते हैं।

उन्होंने कहा कि रहीम और उनके रिश्तेदारों ने जयपुर के आमेर और किशनपुरा में एक दर्जन कॉलोनियों में सरकारी और मंदिर माफी की जमीन पर 'नया पाकिस्तान' बसा दिया है जहां 40 मस्जिदें और 30 अवैध बूचड़खाने चल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई समेत देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह का काम किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ रहीम के कुछ वीडियो और तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को मामले की जांच करनी चाहिए और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए वक्फ संपत्तियों और सरकारी जमीन को समुदाय विशेष को बेचकर 'जनसांख्यिकी' बदलने में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, जामिया तुल हिदाया ने मीणा के आरोपों को खारिज करते हुए एक बयान जारी कर कहा कि डॉ मीणा ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बिना किसी ठोस सबूत व दस्तावेज के आधार पर आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ के महासचिव मोहम्मद फजल-उर-रहीम के विरूद्ध झूठे व आधारहीन आरोप लगाये हैं।

बयान के अनुसार वक्फ जामिया हिदायत फजलू रहीम के पिता दिवंगत अब्दुल रहीम के द्वारा बनाया गया था। मोहम्मद फजल-उर-रहीम द्वारा वक्फ जामिया हिदायत की किसी भी संपत्ति का इकरारनामे द्वारा या किसी भी तरह से बेचान नहीं किया है। जामिया तुल हिदाया के बयान के अनुसार,मीणा का एक 'नया पाकिस्तान' बसाने संबंधी कथन बेहद बचकाना व बेहूदा कथन है जो राजनीति से प्रेरित व दुर्भावना से ग्रस्त है।

लोक कल्याण और सुशासन की पर्याय थी अहिल्याबाई होळकर : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अहिल्याबाई होळकर युग प्रवर्तक ऐसी नारी थी जिन्होंने देश में लोक कल्याणकारी सुशासन की नींव ही नहीं रखी, भारतीय अध्यात्म और धर्म की परम्परा को भी निरंतर पोषित किया। उन्होंने अहिल्याबाई को दूरदर्शी और प्रजा हित में शासन करने वाली देश की ऐसी महिला शासक बताया जिन्होंने भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के मूल्यों का भी जनजन में प्रसार किया। बागडे मंगलवार को पुणे में एस.एन.डी.टी. महाविद्यालय में अहिल्याबाई होळकर की 300 वीं जयंती पर आयोजित 'मातोअहिल्याबाई का लोक कल्याणकारी सुशासन' विषयक परिचर्चा में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अहिल्याबाई होळकर की मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा के कारण उसके निकट महेश्वर को अपनी राजधानी बनाने, वहां पर प्रजा को संतान की तरह मानते हुए उनके लिए जनकल्याण का कार्यों की चर्चा करते हुए उनके सुशासन से सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने अपने शासन में ऐसे अनेक करों के कानूनों को समाप्त किया जो प्रजा हित में नहीं थे। उन्होंने कृषि और उद्योग धंधों को सुविधा देकर उनके विकास के लिए किए उनके कार्यों और शासन से प्रेरणा लेने पर जोर दिया। राज्यपाल ने तीर्थाटन से पर्यटन की भारतीय संस्कृति में विकास के लिए अहिल्याबाई के किए कार्यों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने धार्मिक स्थल पर धर्मशालाएं बनाई, मुगल आक्रांताओं द्वारा तोड़े मंदिरों का जीर्णोद्धार किया, लोगों के लिए नदियों पर घाट बनाए और कुओं, बावड़ियों का निर्माण कर लोकमाता की उपाधि पाई। उन्होंने उनकी 300 वीं जयंती पर्व पर युवा पीढ़ी को लोक कल्याण और उनके सुशासन के पाठ पढ़ाए जाने पर जोर दिया।

विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने के लिए मातृशक्ति का सशक्तिकरण जरूरी : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को जोधपुर जिले के लूणी, धवा एवं केरू ब्लॉक की राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही लखपति दीदी योजना के माध्यम से आने वाले समय में प्रदेश की महिलाएं सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दृष्टि से मजबूत होंगी।

इस पहल से महिलाओं के कौशल विकास के साथ ही उन्हें आजीविका के नवीन साधन उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार का अधिकाधिक महिलाओं को राजीविका एसएचजी से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा समूहों द्वारा विनिर्मित उत्पादों के विक्रय की बाधाओं को दूर करने के लिए हाट बाजार एवं स्थानीय स्तर पर विक्रय मेले लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे आगे बढ़ाना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है : श्रेया गुहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान ने कला एवं संस्कृति के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के विद्यालयों में स्थापित डेल्फिक क्लब की वार्षिक गतिविधियों का उद्घाटन समारोह भारतीय विद्याभवन विद्याश्रम स्थित प्रताप सभागार में आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा ने किया। श्रीमती गुहा ने राज्य की कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे आगे बढ़ाना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि डेल्फिक क्लब के माध्यम से आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियां इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक लोक संगीत और नृत्य से लेकर बारीक शिल्प और वास्तुकला तक राज्य की समृद्ध विरासत पूरे विश्व में अलग पहचान रखती है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन प्राचीन परंपराओं को संरक्षित करें और इन्हें नई ऊँचाइयां देने और वैश्विक पटल पर लाने के लिए नवाचार करें। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना मनीषा पाण्डे गुलियानी द्वारा एक विशेष नृत्य कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इसमें युवा प्रतिभागियों को कथक की बारीकियों और उसकी समृद्ध परंपरा को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। इसके अलावा कार्यशाला में विभिन्न नृत्य विधाओं का प्रत्यक्ष प्रस्तुतिकरण भी किया गया। कार्यक्रम में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त लोक कलाकार, श्रीमती अनीता प्रधान ने भी घूमर नृत्य के माध्यम से राजस्थानी लोक कला की अनूठी छवि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान है, और इसे सहेजना हम सभी का कर्तव्य है। कन्टेपरेरी नृत्य में प्रणय माथुर ने विद्यार्थियों को नृत्य की विभिन्न विधाओं की बारिकियों से अवगत कराया।

बुरड़ परिवार के गुरु दर्शन यात्रा संघ में शामिल हुए 175 यात्री

■ चेन्नई में विराजित युवाचार्य महेन्द्रऋषि सहित अनेक साधु साध्वियों के किए दर्शन ■ आयोजक प्रकाश-आरती बुरड़ का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दानवीर भामाशाह सेठ केसरीमल, सुजानमल व विमलादेवी बुरड़ परिवार की ओर से शंकुतलादेवी, प्रकाश-आरती, आदिती, वैभव बुरड़ परिवार की ओर से आयोजित एक दिवसीय भव्य गुरु दर्शन यात्रा संघ में बेंगलूरु के करीब 175 श्रावक श्राविकाएं शामिल हुए। चेन्नई पहुंचकर यात्रा संघ के सदस्यों से सबसे पहले चेन्नई एएमकेएम सभागार में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्यश्री महेन्द्रऋषिजी, साध्वीश्री कंचनकंवरजी आदि के दर्शन कर पुच्छीसुणं सूत्र का संपुट अध्ययन का लाभ लिया। युवाचार्यश्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए चातुर्मास की आध्यात्मिक सुगंध प्रभावित किया। संघ आयोजक व वरिष्ठ समाजसेवी प्रकाश बुरड़ एवं सभी संघ यात्रियों ने गुरुदेव से बेंगलूरु पधारने का निवेदन किया। गुरु दर्शन यात्री मैलापुर संघ में साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में आयाजित उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी के जयंती के समारोह में शामिल हुए एवं साध्वी के मुखारविंद से महापुरुष के गुणगान एवं उनके जीवन-शैली के बारे में जाना।

इस मौके पर जैन कांफ्रेंस, नई दिल्ली के जैन भवन नवीनीकरण कार्य में उदार हृदय से आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले प्रकाश-आरती बुरड़ का मैलापुर संघ के तत्वावधान में जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्दमल छल्लाणी सहित उपस्थित जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों व सदस्यों ने रजत स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। इस मौके पर युवाचार्यश्री महेन्द्रऋषिजी म.सा. भी मैलापुर संघ पहुंचे। संघ के अनेक सदस्यों ने युवाचार्यश्री के साथ विहार सेवा की। संघ यात्रियों ने साहुकारपेट स्थानक भवन में विराजमान साध्वीश्री राजमतीजी के सान्निध्य में मुमुक्षु दीपिका जैन के अभिनंदन कार्यक्रम का लाभ लिया। मध्यान्ह में युवाचार्यश्री ने सभी यात्रियों को श्रमण संघ के प्रति अपने कर्तव्यों और जवाबदारियों के प्रति जागरुक किया। सभी संतों ने बुरड़ परिवार की उदारता व गुरु भक्ति को आदर्श बताते हुए स्व. केसरीमलजी व सुजानमलजी के सामाजिक योगदान को याद करते हुए गुरु भगवंत के प्रति अटूट समर्पण भाव को याद किया एवं प्रकाश बुरड़ को उनके पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवी व गुरु सेवा की प्रेरणा दी।

गुरु दर्शन यात्रा में विशेष अतिथि बनकर जैन क्रॉन्फ्रेन्स के राष्ट्रीय, प्रांतीय पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यों सहित कल्याणसिंह बुरड़, जसवंत गन्ना, किशोर दलाल, ज्ञानचंद लोढ़ा, पुखराज मेहता, दिनेश पोखरना, पुखराज आंचलिया, दिनेश पोरवाड़, मनोहरलाल रांका, कमल सांखला, नेमीचंद दलाल, राजेश गुलेच्छा, प्रवीण धोखा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। उपस्थित सभी जनों ने बुरड़ परिवार की गुरु भक्ति को सराहा। यात्रियों की सुविधा और आरामदायक यात्रा के लिए संयोजक कर्नाटक युवा शाखा के युवाअध्यक्ष विकास कोठारी, युवा प्रमुख मार्गदर्शक सुनील लोढा, युवा महामंत्री मनोज बोहरा, युवा कोषाध्यक्ष आशीष भंसाली, वैय्यावच्च महामंत्री प्रकाश बोहरा एवं संयोजक समिति सुनील बम्ब, शीतल लुणावत, राकेश लोढ़ा, अभय कातरेला सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

जीवन में मिले समय का सदुपयोग करना चाहिए : संतश्री विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने अनुयोग द्वार सूत्र की प्रवचन माला के प्रथम दिवस पर विवेचना करते हुए कहा कि आज मिले समय का सदुपयोग करेंगे, तो आने वाला कल पुण्यभरा होगा। वर्तमान काल हमारा अपना है जिन जिन आत्माओं ने वर्तमान को सद्गुणों से भरा,तो समझिए वे ही भावी काल में भगवान बनते है। सन्त जीवन के लिए सदैव सतकाल माना गया है। गृहस्थ जीवन अनेकों समस्याओं से भरा होता है। जैन शब्द 'साधक' रूप माना जाता है। जीवन को मर्यादामय खाना, पीना, सोना, जागना, चलना, बैठना, इन कर्मो को करते हुए भी पापों से बच जाता है।

जिस तरह बूंद बूंद से घड़ा भरता है ठीक उसी तरह धर्म रूप सामायिक समतारूपी बूंद बूंद से हमारा स्वभाव धर्ममय बन सकता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

गुरु राजेन्द्र की आरती में बच्चों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्र सूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर में दादा राजेन्द्र गुरुजी की विशेष आरती व भक्ति का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूजा करने वाले 75 बच्चों का सम्मान किया तथा गुरु भक्ति की। गायिका पूजा लुनिया ने भजनों की प्रस्तुति दी। मनीषकुमार जयंतीलाल कांगटाणी ने पूजा की तथा अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, राजेश मकरानी, सुरेश जैन, दिनेश चौहान आदि उपस्थित थे।

संतश्री गणेशलाल महाराज का जन्मोत्सव समारोह 17 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 17 नवम्बर को गणेश बाग में कर्नाटक गज केसरी गणेशलाल मुनिजी म.सा. के जन्मोत्सव समारोह मनाया जाएगा। समिति के सदस्य बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वीवृंद को समारोह में शामिल होने के लिए निवेदन कर रहे हैं उसी श्रृंखला में समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल, अनिल बाफना, विनोद चोरड़िया ने श्रीरामपुर में विराजित डॉ विपुलदर्शनाश्री आदि के दर्शन कर समारोह में शामिल होने के लिए निवेदन किया।

इस मौके पर श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खिंवसरा, मंत्री अशोककुमार गुगलिया आदि पदाधिकारियों ने आमंत्रण स्वीकार कर समिति के अध्यक्ष किरणचन्द बोहरा का सम्मान किया

ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के पदक विजेताओं को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वैश्विक स्तर पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुये युवाओं तथा खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र भी दिया।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए आज स्मार्ट फोन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है और यह युवाओं के समय तथा श्रम दोनों को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, ''युवा खुद को तैयार करें, उनकी सुविधाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार समुचित माहौल तैयार कर रही है। युवा खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। इसके लिए प्रदेश के शहरों और गांवों में खेल की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।'' एक बयान के मुताबिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 14 ओलंपिक और पैरालंपित एथलीट्स को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन सभी खिलाड़ियों को 22.70 करोड़ रुपए की राशि वितरित की।

जिन पदक विजेताओं को सम्मानित किया गया उनमें प्रवीण कुमार, सुहास एलवाई, अजीत सिंह, प्रीति पाल, सिमरन,

ललित उपाध्याय और राज कुमार पाल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, ''प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी वह खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। आज देश के अंदर खेल का माहौल बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए जो नियोजित प्रयास हुए हैं, उसका परिणाम आज सबके सामने है।''

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा शुरू किया गया खेलो इंडिया अभियान, 'फिट इंडिया मूवमेंट' और सांसद खेलकूद प्रतियोगिता ने पूरे देश में खेल का माहौल बदल दिया है।

उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय स्तर पर लीग और गांव स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी हैं, जिसने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के अंदर खेल को बढ़ावा देने को लेकर किए जा रहे प्रयासों में उत्तर प्रदेश ने कई तरह के कार्यक्रमों को तैयार किया है और हम उस पर आगे बढ़ रह हैं।

मणिपुर में आग भड़काना बंद करे कांग्रेस, स्थिति सुधारने के प्रयासों में साथ दे: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस को मणिपुर में 'आग भड़काने' की बजाय इस संवेदनशील क्षेत्र में मिलकर काम करने पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से बात की लेकिन उन्हें मणिपुर के सांसदों या राजनीतिक नेताओं से बात करने का समय नहीं मिला। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां इस बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, '''मैं पलटकर उनसे सवाल पूछूंगा। जहां तक आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का सवाल है, क्या वह प्रधानमंत्री मोदी के रुख का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी को मणिपुर से इतर भी सोचने की जरूरत है। यह एक संवेदनशील क्षेत्र है और हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी को मणिपुर में आग

भड़काना बंद करना चाहिए...।''

प्रसाद ने कहा, ''मणिपुर में स्थिति सुधारने के प्रयास चल रहे हैं।'' रमेश की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए प्रसाद ने प्रमुख विपक्षी पार्टी से अनुच्छेद 370 और आतंकवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कहा, ''इस बारे में तो कांग्रेस पार्टी चुप्पी साध लेती है। उन्हें अनुच्छेद 370 और आतंकवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''केवल मणिपुर के बारे में बात करना और अन्य मुद्दों पर चुप्पी बनाए रखना सही नहीं है।''

प्रसाद की इस प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, ''क्या रविशंकर प्रसाद एक आसान सवाल का जवाब देंगे? नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को मई 2023 से अभी तक मणिपुर का दौरा करने का समय क्यों नहीं मिला है, जब वह स्वयंभू विश्वबंधु/ विश्वगुरु के रूप में पूरी दुनिया में गए हैं?'' मोदी ने सोमवार को नेतन्याहू से पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों को लेकर बात की थी और कहा था कि आतंकवाद के लिए दुनिया में कोई जगह नहीं है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि क्षेत्रीय तनाव को रोकना और सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गोयल ने वारबर्ग पिंकस, ब्लैकस्टोन को निवेश के लिए किया आमंत्रित

न्यूयार्क/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक निजी इक्विटी कंपनी वारबर्ग पिंकस और वैश्विक निवेश कंपनी ब्लैकस्टोन के साथ बैठकें की। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत में निवेश अवसरों पर चर्चा की गयी। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो के निमंत्रण पर, गोयल तीन अक्टूबर, 2024 तक अमेरिका में हैं। वह दो अक्टूबर को वाशिंगटन में रायमोंडो के साथ भारत-अमेरिका सीईओ फोरम और तीन अक्टूबर को छठी भारत-अमेरिका वाणिज्यिक वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे।

गोयल ने 'एक्स' पर लिखा, ''उन्होंने वारबर्ग पिंकस के चेयरमैन टिमोथी एफ गीथनर से मुलाकात की और व्यापार प्रवेश, व्यापार करने में आसानी, एक ही जगह सभी प्रकार की मंजूरी और औद्योगिक बुनियादी ढांचे की सुविधा के लिए भारत में उठाये गये कदमों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हमने नवीकरणीय ऊर्जा, डेटा बुनियादी ढांचे और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में नए विचारों तथा सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।'' उन्होंने ब्लैकस्टोन के चेयरमैन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सह-संस्थापक स्टीफन ए श्वार्जमैन से भी मुलाकात की और कंपनी की भविष्य की निवेश योजनाओं पर चर्चा की। गोयल ने कहा, ''हमने उन्हें बुनियादी ढांचे, आवास और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया।'' उन्होंने वैश्विक निवेश कंपनी कोह्लबर्ग क्रैविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी के सह-संस्थापक हेनरी आर क्रैविस (केकेआर) के साथ भी विचार-विमर्श किया।

केंद्र सरकार कुछ अरबपतियों के लिए काम कर रही: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर संविधान पर हमला करने तथा गरीबों और दलितों की अनदेखी करते हुए देश के कुछ अरबपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सोनीपत में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनकी सरकार केवल ''कुछ बड़े उद्योगपतियों के हितों की सेवा करने के लिए काम कर रही है'' तथा((गरीबों, दलितों, किसानों और युवाओं के कल्याण के लिए ''कुछ नहीं कर रही।''

काग्रेस नेता ने कहा, ''यहां आते समय एक व्यक्ति ने मुझे रोका। उसने मुझे बताया कि वह एक छोटा सा व्यवसाय चलाता है। उसने कहा कि मोदी और हरियाणा सरकार ने उसे बर्बाद कर दिया।'' गांधी ने कहा, ''जब मैंने उनसे इसका कारण पूछा तो उसने कहा कि नोटबंदी लागू की गई और गलत जीएसटी लागू किया गया। जब मैंने पूछा कि उन्होंने (सरकार ने) ऐसा क्यों किया तो उसने मुझे बताया कि उन्होंने अडाणी और अंबानी की मदद करने के लिए ऐसा किया।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''हर कोई जानता है कि केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार दो-तीन अरबपतियों की मदद करने के लिए चल रही है। आपके पास रोजगार के जो भी रास्ते थे, वे बंद कर दिए गए हैं।'' पहले छोटे और मध्यम व्यवसाय हरियाणा में रोजगार पैदा करते थे, लेकिन अब ये बंद हो गए हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना सैनिकों की पेंशन, कैंटीन की सुविधा और उन्हें मिलने वाले शहीद के दर्जे को ''चुराने'' का एक तरीका है। पहले सार्वजनिक क्षेत्र, सरकारी कारखाने हुआ करते थे, इनका निजीकरण कर दिया गया। गांधी ने कहा कि जहां भी देखो, अडाणी और अंबानी का नाम ही नजर आता है। गांधी ने आरोप लगाया कि जवानों की पेंशन ''चुराने'' के पीछे का मकसद अडाणी जैसी बड़ी कंपनी के पीछे के आदमी गौतम अडाणी को रक्षा बजट सौंपना था। उन्होंने आरोप लगाया कि अडाणी के स्वामित्व वाली एक कंपनी विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित हथियारों पर अपना लेबल लगा रही है। गांधी ने कहा, ''मोदी केवल अडाणी को रक्षा अनुबंध देना चाहते थे।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

FLATS FOR SALE
PURVA
BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive
5 bedroom Flats +
servant room with all
luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

हम ऐसे समय में रह रहे हैं, जहां 'इवेंट मैनेजमेंट' के जरिये प्रतिष्ठित दर्जा मिल जाता है: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को इस बात पर अफसोस जताया कि इन दिनों 'इवेंट मैनेजमेंट' के जरिये कुछ लोगों को प्रतिष्ठित दर्जा दे दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें बदलाव आया है और पद्म पुरस्कार केवल उन लोगों को दिए जाते हैं जो इसके हकदार हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जन सेवा' को परिभाषित किया। धनखड़ ने कहा, ''ऐसी भी शख्सियतें हैं, जिन्हें 'इवेंट मैनेजमेंट' या बनावटी तरह से खुद को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है। वे हमारी यादों में रहते हैं। वे हमारा मार्गदर्शन करते हैं, हमें प्रेरित करते हैं।'' उपराष्ट्रपति ने यह टिप्पणी यहां आदित्य बिड़ला सामुदायिक पहल एवं ग्रामीण विकास केंद्र की अध्यक्ष राजश्री

बिड़ला को 25वां लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार, 2024 प्रदान करते हुए की। धनखड़ ने कहा, ''हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां 'इवेंट मैनेजमेंट' द्वारा लोगों को प्रतिष्ठित दर्जा दिया जाता है। सार्वजनिक जीवन वाले लोगों को उस स्तर तक पेश किया जाता है, जिसे पचाना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन, अब एक बड़ा बदलाव आया है। उदाहरण के लिए, पद्म पुरस्कार उन लोगों को दिए जा रहे हैं, जो इसके हकदार हैं। यही वजह है कि इस पुरस्कार की विश्वसनीयता और बढ़ गई है।'' धनखड़ ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री का नाम सुनते ही देशभक्ति की याद आ जाती है। उन्होंने कहा, ''शास्त्री जी ने जनसेवा की परिभाषित किया है। वह आत्म-बलिदान के लिए खड़े थे। शास्त्री जी ने उपदेशों से नहीं, बल्कि आचरण और व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत किया।'' धनखड़ ने कहा कि जब भारत में भुखमरी का संकट था, तब पूरा देश उनके साथ खड़ा था। वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने एक स्पष्ट आह्वान के माध्यम से लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया।

सुविचार

जिंदगी में ऐसा इंसान का होना बहुत ज़रूरी है, जिसका दिल का हाल बताने के लिए लफ़्ज़ों की ज़रूरत ना पड़े!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल अरेस्ट: डरें नहीं, जागरूक रहें

जालसाजों के गिरोह द्वारा एक मशहूर कारोबारी समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से 7 करोड़ रुपए ठगने का मामला बताता है कि साइबर अपराधी कितने बेलगाम हो गए हैं। जब ये इतने बड़े व्यक्ति को 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर मोटी रकम ऐंठ सकते हैं तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? हालांकि इस मामले को सुलझाने में पुलिस की भूमिका प्रशंसनीय रही, जिसने असम के गुवाहाटी से आरोपियों को गिरफ्तार किया और 5.25 करोड़ रुपए भी बरामद कर लिए। कुछ आरोपी अभी फरार हैं, जिनको जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। अब तक 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर जो घटनाएं हुईं, उनमें ठगी की रकम लाखों रु. में थी। इस बार साइबर अपराधियों ने आंकड़ा 7 करोड़ रु. तक पहुंचा दिया! अगर समय रहते अपराधियों पर शिकंजा नहीं कसा गया तो भविष्य में ठगी की रकम का आंकड़ा इससे भी बड़ा हो सकता है। इन सभी घटनाओं का विश्लेषण करें तो एक सवाल पैदा होता है– लोग 'डिजिटल अरेस्ट' सुनते ही क्यों डर जाते हैं? क्या उन्हें मालूम नहीं कि भारत में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई कानूनी प्रावधान है ही नहीं? साइबर अपराधी जब कोई नया शिगूफा छोड़ते हैं तो उससे पहले लोगों की कुछ खास मनोवृत्तियों को ध्यान में जरूर रखते हैं। वे जानते हैं कि लोग उनके झांसे में मुख्यत: दो वजहों से आएंगे – लालच और डर। लॉटरी निकलने, धन दुगुना करने, घर बैठे लाखों रुपए कमाने ... जैसे दांव खूब आजमाए गए। अब 'डिजिटल अरेस्ट' पर खास जोर है। आश्चर्य की बात है कि साइबर अपराधियों ने बैंक मैनेजर, डॉक्टर, शिक्षक, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी से लेकर वकील तक को इसी तरीके से चूना लगाया है!

जब लोगों को फोन कॉल के जरिए पता चलता है कि उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' किया जा रहा है तो वे बदनामी के डर से ठगों के 'आदेश' का पालन करते जाते हैं। उन्होंने ज्यादातर मामलों में परिवार के किसी सदस्य या वरिष्ठ अधिकारी को उस समय सूचित किया, जब ठगों द्वारा बताए गए बैंक खाते में मोटी रकम भेज चुके थे। अगर उन्हें पता रहता कि 'डिजिटल अरेस्ट' कोरा झूठ है तो वे ठगी के शिकार नहीं होते। कई लोगों ने तो जिंदगीभर की कमाई लुटा दी। सोचिए, अगर पुलिस हर अपराधी को उसके घर में 'डिजिटल अरेस्ट' करके रखती तो इतनी जेलों और सुरक्षाकर्मियों की क्या जरूरत थी? फिर तो हर अपराधी अपने घर में कैद रहता और कहीं कोई अपराध नहीं होता, चारों ओर सुख–शांति का वातावरण हो जाता! अगर अपराध पर काबू पाना इतना आसान होता तो जांच एजेंसियों की क्या जरूरत थी? प्राय: साइबर अपराधी अपने दावे को मजबूत करने के लिए पीड़ित को कथित वारंट भेजते हैं, जिसके लिए कहा जाता है कि यह उच्चतम न्यायालय, सीबीआई, ईडी, आईबी, पुलिस ... की ओर से है। सोचिए, अगर किसी व्यक्ति ने सच में बहुत गंभीर अपराध किया हो और उसकी तलाश उच्चतम न्यायालय से लेकर तमाम बड़ी एजेंसियों को हो तो क्या उसे फोन पर सूचित किया जाएगा? ऐसे अपराधी को एजेंसियां फोन नहीं करतीं, बल्कि भनक लगते ही उसे उठा ले जाती हैं। ऐसे कई बिंदु हैं, जिन पर थोड़ा भी विचार करें तो यह बात आसानी से समझ सकते हैं कि 'डिजिटल अरेस्ट' शातिर अपराधियों के दिमाग की उपज है, जिसका हकीकत से कोई लेना–देना नहीं है। इस झांसे में बिल्कुल न आएं। समाचारपत्रों में साइबर विशेषज्ञ दर्जनों आलेख लिखकर सजग रहने की अपील कर चुके हैं, लेकिन उनके सुझाव पढ़ने के लिए समय निकालना लोगों को मुश्किल लगता है, जबकि मोबाइल फोन पर रील देखने में घंटों बिता देना सामान्य बात हो चुकी है। ध्यान रखें, साइबर ठगों के 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे जाल को जागरूकता के शस्त्र से ही काटा जा सकता है। इसके लिए बहुत जरूरी है कि मोबाइल फोन पर आने वाली हर चीज (चाहे वह फोन कॉल ही क्यों न हो) को सच मानने से परहेज करें। अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो साइबर सुरक्षा की अनदेखी न करें, विवेक से काम लें।

ट्वीटर टॉक

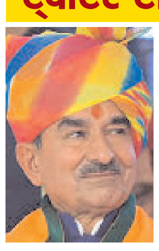

ग्राम के सम्मानित भामाशाहों द्वारा विद्यालय भवन का नव निर्माण शिक्षा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को दर्शाता है। मैं सभी भामाशाहों का हृदय से धन्यवाद करता हूं और सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके अथक योगदान के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

–मदन राठौड़

आज अरण्य भवन में वानिकी सैटेलाइट प्रशिक्षण संस्थान, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान और राजस्थान पुलिस अकादमी के संयुक्त 119वें वनरक्षक आधारभूत प्रशिक्षण सत्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

–दीया कुमारी

पूर्व राष्ट्रपति बहुमुखी प्रतिभा के धनी, परिश्रमशीलता के प्रतीक श्री रामनाथ कोविंद जी को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जन सरोकारों को समर्पित आपके सार्वजनिक जीवन और अनुभवी नेतृत्व का लाभ राष्ट्र को प्राप्त हुआ।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

संकट में नया अवसर

सी. वी. रमन कलकत्ता विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ प्रयोगशाला में काम कर रहे थे। अचानक एक छात्र ने गलती से एक महंगा उपकरण गिरा दिया। सभी छात्र डर गए और सन्नाटा छा गया। वे जानते थे कि यह उपकरण बहुत कीमती था और विदेश से मंगवाया गया था। उन्हें लगा कि प्रोफेसर रमन बहुत नाराज होंगे। लेकिन वे मुस्कुराए और बोले, 'अरे वाह! यह तो बहुत अच्छा हुआ। अब हमें इसे खुद बनाने का मौका मिलेगा।' छात्र हैरान थे। रमन ने समझाया, 'देखो, हम अक्सर विदेशी उपकरणों पर निर्भर रहते हैं। लेकिन अब हमें अपने संसाधनों से इसे बनाने का अवसर मिला है। यह हमारे लिए एक चुनौती है और मुझे विश्वास है कि हम इससे बेहतर उपकरण बना सकते हैं।' उस दिन से रमन और उनके छात्रों ने मिलकर उस उपकरण को फिर से बनाने का काम शुरू किया। कुछ महीनों के कठिन परिश्रम के बाद उन्होंने न केवल उस उपकरण को बना लिया, बल्कि उसमें कुछ नए सुधार भी किए। इस अनुभव ने रमन और उनके छात्रों को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की प्रेरणा दी।

सामयिक

बापू और गुदड़ी के लाल की जयंती : उड़ गए पंछी, सो गए हम

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की बुधवार, 2 अक्टूबर को जयंती है। दोनों महान नेताओं को हम श्रद्धा से बापू और गुदड़ी के लाल के नाम से जानते और पहचानते है। गाँधी और शास्त्री को देश, उनकी जयंती पर एक बार फिर श्रद्धा से याद करेगा और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराएगा। दोनों महापुरुषों की जयंती एक ही दिन दो अक्टूबर को आती है। इस दिन बिना भेदभाव के समस्त देशवासी उन्हें नमन करते है। प्रार्थना सभा ,प्रभात फेरी भजन, सभा और गोष्ठियां आयोजित की जाती है। दोनों जननायकों में एक समानता है। दोनों ही देश के लिए जिए और शहीद हुए। गाँधी को राजघाट पर गोली मारी गयी और शास्त्री की मास्को में रहस्यपूर्ण तरीके से मृत्यु हुई। आज भी देश और दुनिया में वंचित, शोषित और पीड़ित समुदाय अपने अधिकारों के संघर्ष के लिए महात्मा गांधी के बताये आंदोलन की राह पर चलकर अपना हक हासिल करते हैं। यह गाँधी के विचारों की सबसे बड़ी जीत है।

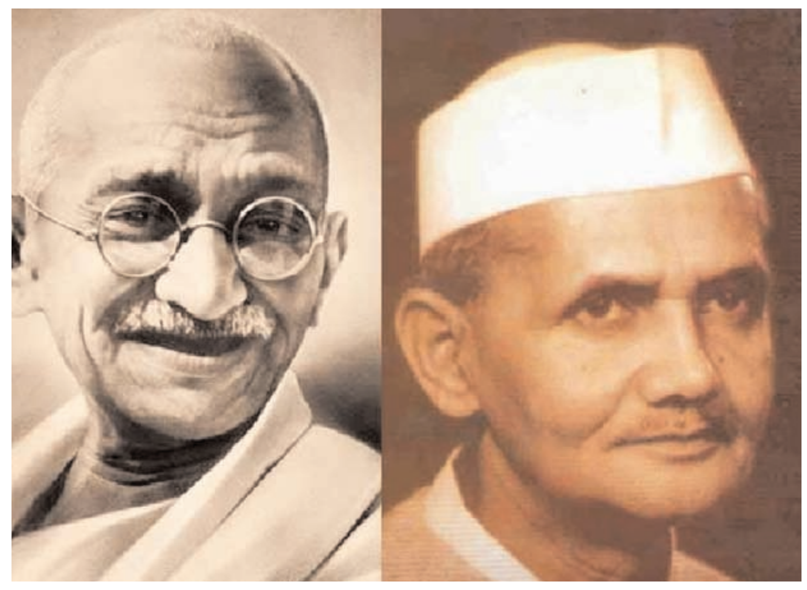

आजादी के 77 वर्षों के बाद नई पीढ़ी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि देश को शांति और अहिंसा के मार्ग पर ले जाने वाले गाँधी के विचारों की हत्या किसने की। झूठी सौगंध खाने वाले लोग कौन है और उनके मनसूबे क्या है। गोडसे के नाम की ताली हम कब तक पीटते रहेंगे। आखिर देश गाँधी के बताये मार्ग से क्यों भटका। आज सम्पूर्ण संसार भारतवासियों से पूछ रहा है कि दुनियां को अहिंसा का पाठ पढाने वाले बापू के देश में बात बात पर मार काट क्यों मच रही है। हमें इस पर गहराई से चिंतन और मनन करने की जरूरत है। सच तो यह है कि जयंती पर हम कश्मे खाते है उनके पदचिन्हों पर चलने की मगर हमारा आचरण इसके सर्वथा विपरीत होता है। धारा 370 हटने के बाद कश्मीर की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान छद्म युद्ध पर उतारू है और चीन की हरकतें भी जग जाहिर है। ऐसे में अहिंसा की बाते बेमानी हो गयी है।

महात्मा गांधी त्याग और बलिदान की मूर्ति थे। सादा जीवन और उच्च विचार उनका आदर्श था और वे भारतीय जनमानस में सदैव प्रेरणा के स्त्रोत रहेंगें। अहिंसा और सादगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के व्यक्तित्व के प्रमुख अलंकार थे। उनके ये दोनों गुण आज भी आमजन को एक गौरवशाली जीवन की प्रेरणा देते हैं। यह दिन भारत के लिए काफी मायने रखता है। क्योंकि आज के दिन भारत के दो ऐसे महान लोगों ने जन्म लिया जिसने देश को नई पहचान दी है। भारत को जय जवान जय किसान का नारा देने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी गर्व और भावुक होकर देश याद कर रहा है। सादा जीवन और उच्च विचार वाले लाल बहादुर शास्त्री ने दुनिया को जता दिया कि अगर इंसान के अंदर आत्मविश्वास हो तो वो कोई भी मंजिल पा सकता है। आज का दिन इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज पूरे विश्व में गांधीजी कि प्रेरणा से ही अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री एक महान नेता थे। इन दोनों नेताओं ने अपने जीवन में आदर्श स्थापित किए है।

एक गांधी जी थे जिन्होंने सत्य ओर अहिंसा का पाठ पढ़ाया, आत्मविश्वास ओर आत्मनिर्भरता से जीना सिखाया। आज के दिन हमें उनके बतायें मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सादगी, सच्चाई और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश की आजादी के आंदोलन में अपनी ऐतिहासिक और निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने देश को स्वावलम्बन के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी और ग्राम स्वराज के साथ–साथ सुशासन और सुराज का भी मार्ग दिखाया। आज देश और दुनिया में युध्द, नक्सलवाद, आतंकवाद हिंसा और प्रतिहिंसा के बादल मंडरा रहे हैं, ऐसे युद्धोन्मादी दौर में गांधी के आदर्श और सिध्दांत सबके लिए और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। दोनों महान विभूतियों की प्रेरणादायक जीवन गाथा देश और दुनिया के लिए अनमोल धरोहर हैं ।

नजरिया

महाराजा अग्रसेन, समाजवादी व्यवस्था के महासूर्य

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

कुशल शासकों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन कालजयी होता है और युग–युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है। ऐसे शासकों से न केवल जनता बल्कि सभ्यता और संस्कृति भी समृद्ध और शक्तिशाली बनती है। ऐसे शासकों की दृष्टि में सर्वोपरि हित सत्ता का न होकर समाज एवं मानवता होता है। ऐसे ही महान शासक थे महाराजा अग्रसेन। वे कर्मयोगी लोकनायक तो थे ही, संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निर्माता भी थे। वे समाजवाद के प्रणेता, गणतंत्र के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी व शांति के दूत थे। सचमुच उनका युग रामराज्य की एक साकार संरचना था जिसमें उन्होंने अपने आदर्श जीवन कर्म से, सकल मानव समाज को महानता का जीवन–पथ दर्शाया। उस युग में न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। वे एक प्रकाश स्तंभ थे, अपने समय के सूर्य थे जिनकी जन्म जयन्ती हर वर्ष 1 अक्टूबर को मनाई जा रही है।

महाराजा अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे। धार्मिक मान्यतानुसार इनका जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की चैंतीसवी पीढ़ी में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुल के प्रतापनगर के महाराजा वल्लभ सेन के घर में द्वापर के अन्तिमकाल और कलियुग के प्रारम्भ में आज से लगभग 5187 वर्ष पूर्व हुआ था। वर्तमान में राजस्थान व हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे प्रतापनगर स्थित था। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था, कि यह बहुत बड़ा राजा बनेगा। इसके राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा।

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले व्यक्ति की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक निवासी उसे एक रुपया व एक ईंट देगा, जिससे आसानी से उसके लिए निवास स्थान व व्यापार का प्रबंध हो जाए। महाराजा अग्रसेन ने एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया, उन्होंने पुन: वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य की पुनर्गठन में कृषि–व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ–साथ नैतिक मूल्यों की पुन: प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और दूसरी ओर देशकाल के परिप्रेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं– लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। एक निश्चित आयु प्राप्त करने के बाद कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा जगत की उन्नति मूल रूप से जिन चार स्तंभों पर निर्भर होती हैं, वे हैं– आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व सामाजिक। अग्रसेनजी का जीवन–दर्शन चारों स्तंभों को दृढ़ करके उन्नत विश्व के नवनिर्माण का आधार बना है। लेकिन इसे समय की विडम्बना ही कहा जायेगा कि अगणित विशेषताओं से संपन्न, परम पवित्र, परिपूर्ण, परिशुद्ध, मानव की लोक कल्याणकारी आभा से युक्त महामानव महाराज अग्रसेन की महिमा से अनभिज्ञ अतीत से वर्तमान तक के

कालखण्ड ने उन्हें एक समाज विशेष का कुलपुरुष घोषित कर उनके स्वर्णिम इतिहास को हाशिए पर डाल दिया है। वर्तमान में भी उनके वंशजों की बड़ी तादाद होने और राष्ट्र के निर्माण में उनका सर्वाधिक योगदान होने के बावजूद न तो उस महान शासक को और न ही उनके वंशजों को सम्मानपूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त हो पा रही है।

अग्रसेनजी सूर्यवंश में जन्मे। महाभारत के युद्ध के समय वे पन्द्रह वर्ष के थे। युद्ध हेतु सभी मित्र राजाओं को दूतों द्वारा निमंत्रण भेजे गए थे। पांडव दूत ने वृहत्सेन की महाराज पांडु से मित्रता को स्मृत कराते हुए राजा वल्लभसेन से अपनी सेना सहित युद्ध में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया था। महाभारत के इस युद्ध में महाराज वल्लभसेन अपने पुत्र अग्रसेन तथा सेना के साथ पांडवों के पक्ष में लड़ते हुए युद्ध के 10वें दिन भीष्म पितामह के बाणों से बिंधकर वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इसके पश्चात अग्रसेनजी ने ही शासन की बागडोर संभाली। उन्होंने बचपन से ही वेद, शास्त्र, अस्त्र–शस्त्र, राजनीति और अर्थ नीति आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। उनका विवाह नागों के राजा कुमुद की पुत्री माधवी से हुआ। महाराजा अग्रसेन ने ही अग्रोहा राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने कुशलतापूर्वक राज्य का संचालन करते हुए विस्तार किया तथा प्रजा हित में काम किए। वे धार्मिक प्रवृत्ति के पुरुष थे। धर्म में उनकी गहरी रुचि थी और वह साधना में विश्वास करते थे इसलिए उन्होंने अपने जीवन में कई बार कुलदेवी लक्ष्मीजी से यह वरदान प्राप्त किया कि जब तक उनके कुल में लक्ष्मीजी की उपासना होती रहेगी, तब तक अग्रकुल धन व वैभव से सम्पन्न रहेगा। उनके 18 पुत्र हुए, जिनसे 18 गोत्र चले। गोत्रों के नाम गुरुओं के गोत्रों पर रखे गए।

महाराज अग्रसेन ने समाजवादी शासन व्यवस्था की स्थापना की, जिसमें किसी भी व्यक्ति की कोई आर्थिक हानि होती तो वह राजा से ऋण ले सकता था। सम्पन्न होने पर वापस दे देता था। महाराजा अग्रसेन ने 18 यज्ञ किए क्योंकि ब्राह्मण लोग अति संतोषी, यजमान के सिवाय दूसरे का दान न लेने वाले होते थे। यज्ञों द्वारा उनकी धन आदि की इच्छा पूरी हो जाती थी। हर व्यक्ति भगवान के नाम पर अपने राज्य और धार्मिक कार्यों के लिए अपनी आमदनी का दसवां भाग निकालता था। राज्य का हर व्यक्ति अपनी आजीविका अन्य साधनों या किसी व्यापार द्वारा करते थे परन्तु राष्ट्र पर विपत्ति आने के समय सब वर्ग के लोग हथियारों से युद्ध को तैयार हो जाते थे। समाज व्यववस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। महाराजा अग्रसेनजी की इसी विचारधारा का ही प्रभाव है कि आज भी अग्रवाल समाज शाकाहारी, अहिंसक एवं धर्मपरायण के रूप में प्रतिष्ठित है। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए। एक बार यज्ञ में बली के लिए लाए गये घोड़े को बहुत बेचैन और डरा हुआ पा उन्हें विचार आया कि ऐसी समृद्धि का क्या फायदा जो मूक पशुओं के खून से सराबोर हो। उसी समय उन्होंने पशु बली पर रोक लगा दी। इसीलिए आज भी अग्रवंश समाज हिंसा से दूर ही रहता है। उनकी दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति और समाज के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है। व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण अग्रसेनजी की बुनियादी शिक्षा थी। आज की शासन–व्यवस्थाएं अग्रसेनजी की शिक्षाओं को अपनाकर उन्नत समाज का निर्माण कर सकती है। अग्रसेनजी ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं। इसीलिये उन्होंने धर्म को जीवन की सर्वोपरि प्राथमिकता के रूप में प्रतिष्ठापित किया। इसी से नये युग का निर्माण, नये युग का विकास वे कर सके। उनके युग का हर दिन पुरातन के परिष्कार और नए के सृजन में लगा था। सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों के नए संदर्भ जुड़े। परम्परा प्रतिष्ठित हुई। रीति–रिवाजों का स्वरूप सामने आया। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता दिखलाई।

महाराज अग्रसेन के राज की वैभवता से उनके पड़ोसी राजा बहुत जलते थे। इसलिये वे बार–बार अग्रोहा पर आक्रमण करते रहते थे। बार–बार हार के बावजूद वे अग्रोहा पर आक्रमण करते रहे, जिससे राज्य की जनता में तनाव बना ही रहता था। इन युद्धों के कारण अग्रसेनजी के प्रजा की भलाई के कामों में विघ्न पड़ता रहता था। लोग भी भयभीत और रोज–रोज की लडाई से त्रस्त हो गये थे। एक बार अग्रोहा में बड़ी भीषण आग लगी। उस पर किसी भी तरह काबू ना पाया जा सका। उस अग्निकांड से हजारों लोग बेघरबार हो गये और जीविका की तलाश में भारत के विभिन्न प्रदेशों में जा बसे। पर उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोडी। वे सब आज भी अग्रवाल ही कहलवाना पसंद करते हैं और उसी 18 गोत्रों से अपनी पहचान बनाए हुए हैं। आज भी वे सब महाराज अग्रसेन द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण कर समाज की सेवा में लगे हुए हैं। एक सर्वे के अनुसार, देश की कुल इनकम टैक्स का 24 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अग्रसेन के वंशजों का हैं। कुल सामाजिक एवं धार्मिक दान में 62 प्रतिशत हिस्सा अग्रवंशियों का है। देश की कुल जनसंख्या का मात्र एक प्रतिशत अग्रवंशज है, लेकिन देश के कुल विकास में उनका 25 प्रतिशत सहयोग रहता है।

बावजूद इसके देश की सरकारों ने उस महामानव एवं महान शासक की स्मृति में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किये हैं, यह देश की सबसे समृद्ध, बौद्धिक एवं क्रियाशील कौम के प्रति पक्षपात ही कहा जायेगा। कभी किसी अवसर पर डाक टिकट का जारी हो जाना या किसी विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) का नाम महाराजा अग्रसेन रखा जाना बहुत नगण्य कार्य हैं। उस महामानव को राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब देश की बड़ी जन–कल्याणकारी योजनाएं उस महान शासक के नाम पर हो, किसी एक महत्वपूर्ण ट्रेन का नाम अग्रसेन एक्सप्रेस रखा जाये। राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों की राजधानियों में मुख्य मार्गों के नाम भी अग्रसेन मार्ग रखे जाये।

अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर अग्र–वंशजों को भी संकल्पित होना है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रवालों ने अपनी पहचान बनायी है उस तस्वीर में अब कल्पना के रंग भरने की जरूरत ही कहां है? उसे तो यर्थाथता की जमीं दे। अतीत, वर्तमान और भविष्य के कालखण्ड से जुड़ी संस्कृति की समीक्षा करें और यह देखें कि निर्माण के नए दीए हमने कब और कहां, कितने और कैसे जलाने हैं ताकि अग्रवंश की दीये से दीया जलाकर रोशनी की परम्परा को सुरक्षित रखा जा सके। अग्रवंशजों को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को स्वतंत्र पहचान देनी है, देखने में आ रहा है कि वे विखंडित होकर दूसरी–दूसरी परम्पराओं को समृद्ध बना रहे हैं। स्वयं संगठित होकर ही महाराज अग्रसेन के सपनों को साकार कर सकेंगे और तभी अपनी शक्ति एवं समृद्धि से राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकेंगे और यही उस महान समाज–निर्माता शासक के प्रति हमारी विनम्र श्रद्धांजलि होगी।

अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर अग्र-वंशजों को भी संकल्पित होना है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रवालों ने अपनी पहचान बनायी है उस तस्वीर में अब कल्पना के रंग भरने की जरूरत ही कहां है? उसे तो यर्थाथता की जमीं दे। अतीत, वर्तमान और भविष्य के कालखण्ड से जुड़ी संस्कृति की समीक्षा करें और यह देखें कि निर्माण के नए दीए हमने कब और कहां, कितने और कैसे जलाने हैं ताकि अग्रवंश की दीये से दीया जलाकर रोशनी की परम्परा को सुरक्षित रखा जा सके। अग्रवंशजों को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को स्वतंत्र पहचान देनी है, देखने में आ रहा है कि वे विखंडित होकर दूसरी-दूसरी परम्पराओं को समृद्ध बना रहे हैं। स्वयं संगठित होकर ही महाराज अग्रसेन के सपनों को साकार कर सकेंगे और तभी अपनी शक्ति एवं समृद्धि से राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकेंगे और यही उस महान समाज-निर्माता शासक के प्रति हमारी विनम्र श्रद्धांजलि होगी।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लव जिहाद की एक लाख से अधिक शिकायतें, 14 लोकसभा सीटों पर वोट जिहाद देखा गया: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एक लाख से अधिक शिकायतों ने, जानबूझकर की जा रही लव जिहाद की साजिश को उजागर किया है, जहां हिंदू महिलाओं को फर्जी पहचान का इस्तेमाल करके पुरुषों द्वारा शादी के लिए झांसा दिया गया। विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) पर निशाना साधते हुए फडणवीस ने दावा किया कि हाल के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के 48 निर्वाचन क्षेत्रों में से 14 में वोट जिहाद देखा गया। सोमवार शाम को कोल्हापुर शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने ऐसे उदाहरणों की ओर इशारा किया, जिसमें महिलाओं को अंतर-धार्मिक विवाह के लिए धोखा दिया गया और बाद में बच्चों को जन्म देने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

फडणवीस की टिप्पणी पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर संवैधानिक शपथ का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और माफी की मांग की। गृह विभाग का कार्यभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा, एक दशक पहले हम सोचते थे कि लव जिहाद की बात इक्का दुक्का घटना है। हमें लगता था कि यह कोई साजिश नहीं है। अब हमने देखा है कि एक लाख से अधिक शिकायतें मिली हैं, जिनमें हिंदू महिलाओं को दूसरे धर्मों के पुरुषों के साथ भागकर शादी करने का झांसा दिया गया। फडणवीस ने यह स्पष्ट किया कि वह अंतर-धार्मिक विवाहों के खिलाफ नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने कहा, कई मामलों में लोगों ने शादी के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया और अपने बारे में गलत जानकारी दी। इन लोगों ने बच्चे होने के बाद अपने जीवनसाथी को भी छोड़ दिया।

फडणवीस ने कहा, यह प्रेम का कृत्य नहीं है, बल्कि यह एक सोची समझी साजिश है और यह लव जिहाद है। यह हमारे धर्म की महिलाओं को धोखा देने और उन्हें बिगाड़ने का एक तरीका है। भाजपा नेता ने वोट जिहाद का मुद्दा उठाते हुए धुले लोकसभा क्षेत्र के नतीजों का हवाला दिया, जहां एमवीए उम्मीदवार मालेगांव सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ सामूहिक मतदान के कारण विजयी हुआ।

फडणवीस ने कहा, लोकसभा चुनाव में वोट जिहाद देखा गया। धुले निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार पांच विधानसभा सीटों में 1.90 लाख वोटों से आगे थे। हालांकि, मालेगांव सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र में मतदान के कारण हमारे उम्मीदवार 1.94 लाख वोटों से पीछे रह गए और सिर्फ 4,000 वोटों से चुनाव हार गए।

उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, असली चिंता कुछ लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास को लेकर है, जो सोचते हैं कि अगर वे बड़ी संख्या में मतदान कर सकें तो वे हिंदुत्ववादी ताकतों को हरा सकते हैं, भले ही वे अल्पसंख्यक हों। फडणवीस ने कहा कि यह जागने का समय है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महाराष्ट्र में 48 लोकसभा क्षेत्रों में से 14 सीटों पर वोट जिहाद देखा गया।

बातचीत

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू मंगलवार को अमरावती के कुरनूल जिले में पेंशन वितरण कार्यक्रम के दौरान बातचीत करते हुए।

मैंने मुक्त होने के लिए 'पत्रकारिता का दोषी' होने की बात कबूल की : जूलियन असांजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीस (फ्रांस)। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे ने मंगलवार को कहा कि उन्हें वर्षों की कैद के बाद रिहा किया गया, क्योंकि उन्होंने पत्रकारिता का दोषी होने की बात कबूल कर ली। असांजे ने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में 'पार्लियामेंट्री असेंबली ऑफ द काउन्सिल ऑफ यूरोप' की कानूनी मामलों और मानवाधिकार समिति के समक्ष अपनी हिरासत और दोषसिद्धि के प्रभाव के बारे में साक्ष्य दिया। इस 'पार्लियामेंट्री असेंबली' में 46 यूरोपीय देशों के सांसद शामिल हैं। असांजे को ब्रिटेन की जेल में पांच साल बिताने के बाद जून में रिहा किया गया था। उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोजकों के साथ एक समझौते में अमेरिकी सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने और प्रकाशित करने का दोष स्वीकार किया था।

जेल जाने से पहले वह लंदन स्थित इक्वाडोर के दूतावास में सात वर्ष स्व-निर्वासन में रहे थे, जहां उन्होंने राजनीतिक उत्पीड़न के आधार पर शरण मांगी थी। जेल से छूटने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में असांजे ने कहा, मैं आज इसलिए रिहा नहीं हूं, क्योंकि व्यवस्था (सिस्टम) ने अपना काम किया। उन्होंने कहा, वर्षों की कैद के बाद मैं आज इसलिए मुक्त हूं, क्योंकि मैंने पत्रकारिता का दोषी होने की बात कबूल की है।

उन्होंने कहा, मैंने एक स्रोत से सूचना मांगने का अपराध स्वीकार किया है। मैंने एक स्रोत से सूचना हासिल करने का जुर्म कबूल किया है। मैंने लोगों तक वह सूचना पहुंचाने का दोष स्वीकारा है। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय परिषद (काउन्सिल ऑफ यूरोप) को संबोधित करते हुए असांजे ने कहा, वर्षों तक अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में बंद रहने से लेकर यूरोपीय सांसदों को संबोधित करने तक का यह बदलाव एक गहन और सपने जैसा बदलाव लग रहा है। इस दौरान असांजे ने एक छोटी से जेल की कोठरी में बिताए अपने अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति के आत्मबोध को छीन लेता है और केवल अस्तित्व का कच्चा सार ही बचता है।

राष्ट्रपति शी ने राष्ट्रीय दिवस पर दी चेतावनी; आगे की राह आसान नहीं होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को अपना 75वां राष्ट्रीय दिवस मनाया और राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कड़ी चेतावनी दी कि कम्युनिस्ट राष्ट्र के लिए आगे की राह आसान नहीं होगी, क्योंकि उसे आर्थिक चुनौतियों के साथ-साथ अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और भारत सहित अन्य पड़ोसियों के साथ बढ़ते तनाव का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को बीजिंग के विशाल तियानमेन स्कवायर पर राष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रतीकात्मक ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। देश में एक सप्ताह का अवकाश घोषित है। राष्ट्रीय दिवस की 60वीं और 70वीं वर्षगांठ की तरह इस बार कोई उत्सव या चीन की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने वाली भव्य सैन्य परेड नहीं हुई, बल्कि शी ने लोगों से कठिन समय के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। शी ने वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक भोज के दौरान अपने भाषण में कहा, आगे की राह आसान और सुगम्य नहीं होगी, इसमें कठिनाइयां और बाधाएं आएंगी। (हमें) मुश्किल हालात का सामना करना पड़ सकता है।चीन चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच, आर्थिक गति हासिल करने की कोशिश कर रहा है। शी ने कहा, हमें शांति के समय में सतर्क रहना चाहिए, आगे की योजना बनानी चाहिए और पूरी (कम्युनिस्ट) पार्टी, पूरी सेना (पीएलए) और देश भर के सभी जातीय समूहों के लोगों पर पूरा भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, कोई भी कठिनाई चीन के लोगों को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। पार्टी और जनवादी सेना (पीएलए) का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति शी (71) का पांच वर्षों का यह तीसरा कार्यकाल है और उनके जीवन पर्यंत सत्ता में बने रहने की बात कही जा रही है।

गोविंदा के पैर से निकाली गई गोली,चिकित्सकों और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानमाने अभिनेता एवं शिव सेना नेता गोविंदा ने अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुये कहा है कि वह अब ठीक हैं, उन्होंने चिकित्सको और शुभचिंतको का भी शुक्रिया अदा किया है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार गोविंदा सुबह पांच बजे कहीं जाने की तैयारी कर रहे थे, वह जब अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर को साफ कर रहे थे, तभी दुर्घटनावश गोली चल गयी जो उनके घुटने में लगी। घटना के समय वह अपने जुहू स्थित घर पर अकेले थे। उन्हें

क्रिटिकेयर अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया। गोविंदा ने अपने प्रशंसकों को बताया है कि उनकी हालत अब स्थिर है और उनके पैर में लगी गोली को सफलतापूर्वक सर्जरी से निकाल दी गयी है।एक ऑडियो संदेश में, गोविंदा ने अपने प्रशंसकों को अपनी स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए कहा, नमस्कार, प्रणाम मैं हूं गोविंदा।

आप सब लोगों के आशीर्वाद और माता-पिता के आशीर्वाद और गुरु की कृपा से, जो गोली लगी थी, अब वह निकाल दी गई है। मैं धन्यवाद देता हूं यहां के डॉक्टर का। आदरणीय डॉक्टर अग्रवाल जी का और आपलोगों के लिये प्रार्थना के लिये। बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। प्रणाम।

18 को फिर से रिलीज होगी 'फिल्म खोसला का घोसला'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी की फ़िल्म खोसला का घोसला 18 अक्टूबर को फिर से रिलीज होगी। बड़े पर्दे पर क्लासिक फिल्मों को फिर से रिलीज करने का चलन हाल ही में जोर पकड़ रहा है, जिससे नए दर्शकों और पुराने प्रशंसकों दोनों को ही इन पसंदीदा फिल्मों को सिनेमाघरों में देखने का मौका मिल रहा है। 2024 में, हम आपके हैं कौन! लैला मजनू और वीर-ज़ारा जैसी फ़िल्में सिनेमाघरों में वापस आ रही हैं, और उनके साथ बोमन ईरानी अभिनीत कल्ट क्लासिक 'खोसला का घोसला' भी शामिल है, जो 18 अक्टूबर को फिर से रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड की सबसे यादगार पारिवारिक ड्रामा में से एक यह फिल्म सालों से दर्शकों के बीच गूंज रही है। इसके मज़ेदार संवाद और अविस्मरणीय दृश्य आज भी कॉमेडी स्केच और मीम्स को बढ़ावा देते हैं। बोमन ईरानी ने फ़िल्म खोसला का घोसला के फिर से रिलीज होने के बारे में अपनी खुशी सोशल मीडिया पर साझा की। इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी पर रील पोस्ट करते हुए बोमन ईरानी ने लिखा: वापस वहीं जहां से यह सब शुरू हुआ था! खोसला का घोसला की यात्रा का हिस्सा बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है! अभी टिकट बुक करें।

मतदान
सांबा में मंगलवार को सांबा में जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण के दौरान अपना वोट डालने के बाद पहली बार मतदाता अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए।

'कुमकुम भाग्य' की 'मोनिशा' का लुक तय करने में काम आता है सृष्टि का फैशन डिजाइनिंग का अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

शो 'कुमकुम भाग्य' में 'मोनिशा' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सृष्टि जैन फैशन प्रेमी हैं। वह शो में अपने किरदार के कपड़े खुद ही चुनती हैं। वह अपने इस टैलेंट का न केवल अपने किरदार के लिए इस्तेमाल करती हैं, बल्कि यह उनकी पर्सनल लाइफ में भी साफ नजर आता है।

सृष्टि ने मुंबई से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है। इसके बावजूद उनकी किस्मत उन्हें अभिनय की दुनिया में ले आई। मगर अपने करियर में इस बदलाव के बावजूद सृष्टि ने फैशन के प्रति अपने जुनून को कम नहीं होने दिया। सृष्टि के लिए फैशन सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं है, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां वह वास्तव में अपनी रचनात्मकता से जुड़ाव महसूस करती हैं जो उन्हें स्क्रीन के अलावा पर्सनल लाइफ में भी बेहतर फील कराता है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सृष्टि ने कहा, ''शो में 'मोनिशा' के किरदार को अपनाना मेरे लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा। इस भूमिका को मैंने पूरे दिल से स्क्रीन पर उतारा है। मुझे खुशी है कि मैं अपने अभिनय करियर में अपने फैशन डिजाइनिंग के हुनर का भी इस्तेमाल कर रही हूं।'' उन्होंने कहा, मोनिशा के लिए आउटफिट और एक्सेसरीज चुनना अपने आप में एक खास अनुभव है, जिसे मैं बेहद एंजॉय करती हूं। मेरे लिए अपने जुनून को अपने अभिनय करियर के साथ मिलाना, एक शानदार एहसास है। इसके लिए मैं अपनी टीम के साथ बात करती हूं और हम मिलकर सब कुछ तय करते हैं।

बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत एकता कपूर द्वारा निर्मित 'कुमकुम भाग्य' जी टीवी पर प्रसारित होता है। सृष्टि ने 2013 की फिल्म 'वॉर छोड़ ना यार' में एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया। उन्होंने 2016 में 'सुहानी सी एक लड़की' से कृष्ण माथुर के रूप में अपने टीवी करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'मेरी दुर्गा', 'मैं मायके चली जाउंगी', 'एक थी रानी एक था रावण', 'लाल इश्क', 'हमारी वाली गुड न्यूज', 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' और 'चांद जलने लगा' जैसे शो में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म 'दो पत्ती' 25 अक्टूबर को होगी रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री काजोल और कृति सेनन अभिनीत बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म 'दो पत्ती' 25 अक्टूबर को रिलीज़ होगी। नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स हैंडल पर बताया कि शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित मर्डर मिस्ट्री दो पत्ती 25 अक्टूबर से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।निर्माताओं ने दर्शकों को सस्पेंस थ्रिलर की एक झलक दिखाते हुए एक मिनट 32 सेकंड के वीडियो के साथ फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की।नेटफ्लिक्स ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म दो पत्ती के बहुप्रतीक्षित टीज़र को एक कैप्शन के साथ साझा करते हुये लिखा, अब होगा खेल शुरू, लेकिन इस कहानी के है दो पहलू, दो पत्ती 25 अक्टूबर को रिलीज़ होगी, केवल नेटफ्लिक्स पर।

फिल्म दो पत्ती,उत्तराखंड के काल्पनिक शहर देवीपुर पर आधारित है।काजोल इस फिल्म में एक पुलिसकर्मी की भूमिका में है जो एक हत्या के प्रयास के मामले में सच्चाई को उजागर करने के मिशन पर है।

कृति सेनन ने पहली बार दोहरी भूमिका निभाई है।उन्होंने जुड़वां बहनों का किरदार निभाया है।यह फिल्म बड़े पर्दे पर शाहीर शेख की पहली फिल्म भी है। वह इस फिल्म में ध्रुव सूद का किरदार निभा रहे हैं। दिलवाले के बाद कृति दूसरी बार काजोल के साथ नजर आयेंगी।दो पत्ती का निर्माण कनिका ढिल्लों और कृति सेनन ने किया है।

गर्भवती होने के बावजूद लगातार शूटिंग कर रही हैं देवोलीना

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी इन दिनों मां बनने की यात्रा का आनंद उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह अपने जीवन और करियर के बीच संतुलन बना रही हैं। देवोलीना ने कहा कि उन्हें आजकल अक्सर सहायता की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया, गर्भवती होने के बावजूद मैंने अपनी शूटिंग जारी रखी है, ताकि मेरे दर्शक मुझे स्क्रीन पर देखते रहें और मैं उनका मनोरंजन करना जारी रख सकूं। गर्भवती होने के चलते मुझे सेट पर अपना खास ध्यान रखना पड़ता है, इसके लिए मुझे अक्सर दूसरों से सहायता की जरूरत पड़ती है। गर्भवती होने के दौरान सेट पर आने वाली चुनौतियों पर बात करते हुए देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, '' मैं इस सन नियो शो में देवी छठी मैया का किरदार निभा रही हूं, इसलिए मुझे भारी आभूषण पहनने पड़ते हैं। खासतौर पर मुझे हार और मुकुट पहनना पड़ता है, जो मुझे बोझिल लगता है। लेकिन यह मेरे लिए एक नया अनुभव है और कुछ अलग करने में कोई बुराई नहीं है। देवोलीना ने शो में अपने किरदार को अपने स्वभाव के साथ जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह मेरा किरदार क्रोधित होने पर काली माता का उग्र रूप धारण कर लेता हैं, उसी तरह मैं भी तब तक शांत रहती हूं, जब तक कोई जानबूझकर मुझे परेशान करने की कोशिश नहीं करता। लेकिन अगर कोई ऐसा करता है तो मैं काली माता की तरह ही उग्र हो जाती हूं। शो छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होती है। पारिवारिक ड्रामा वैष्णवी पर केंद्रित है, जो अनाथ है और छठी मैया को अपनी मां मानती है। इस शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी अभिनय कर रहे है। देवोलीना ने 2011 में शो 'सावरे सबके सपने प्रीतो' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वह सबसे लंबे समय तक चलने वाले टीवी ओपेरा 'साथ निभाना साथिया' में गोपी की भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं।

देवोलीना

रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'वेट्टैयन' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयेगी। फिल्म वेट्टैयन के निर्माताओं ने हाल ही में रजनीकांत का एक नया पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर में रजनीकांत चश्मा लगाए बेहद स्टाइलिश अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया है, लक्ष्य निर्धारित है। वेट्टैयन का ट्रेलर 2 अक्टूबर को आ रहा है। शिकार को पकड़ने के लिए तैयार हो जाइए! लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा राणा दग्गुबाती, फहद फाजिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य सितारे शामिल हैं। इस फिल्म में संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। 'वेट्टैयन' 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

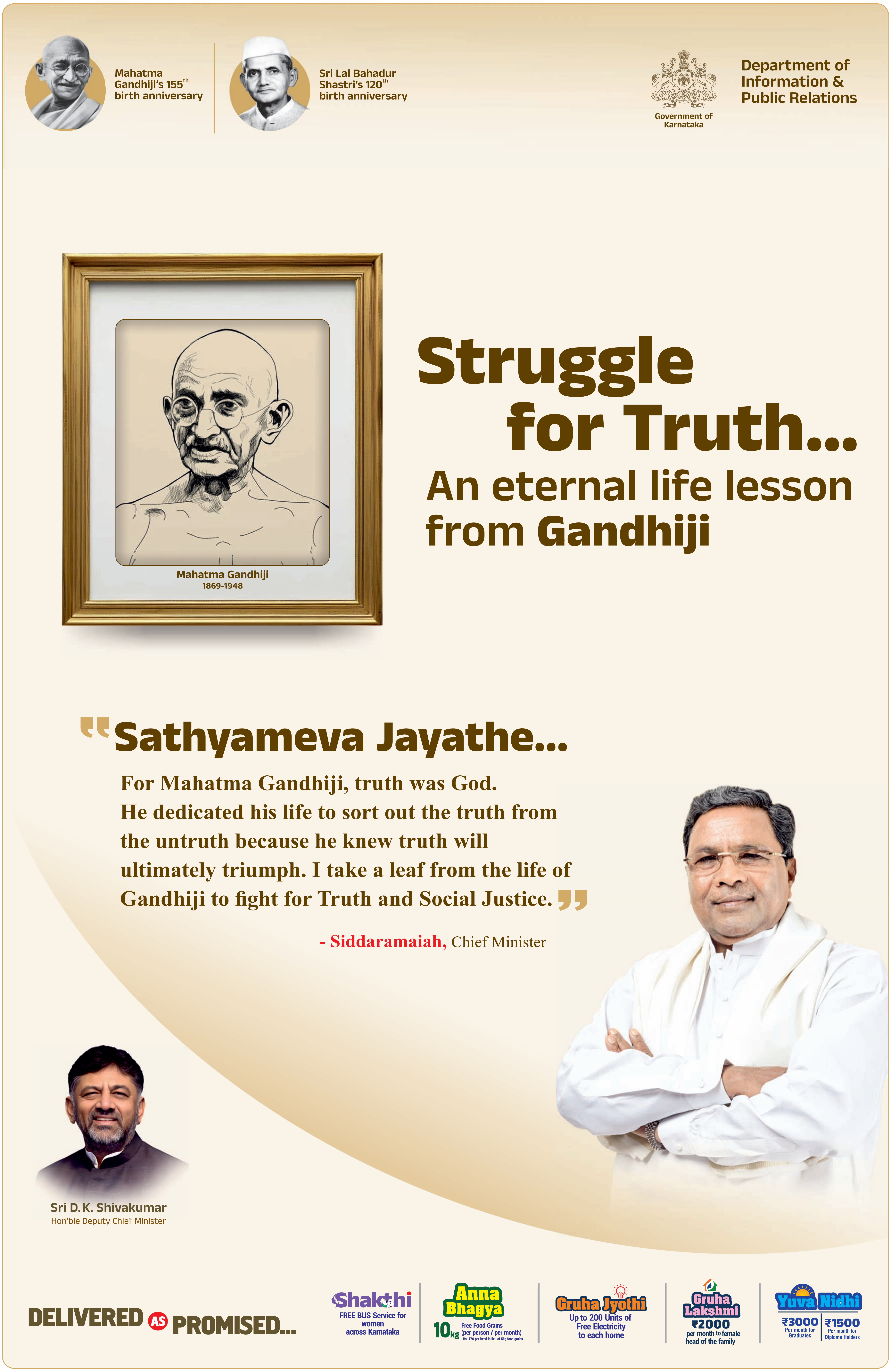

"As is enshrined in our Constitution - to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom is the fundamental duty of every citizen of the country."
CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/
karnataka information

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com